@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 12 अक्टूबर 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 339 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुख्यमंत्री योगी ने कन्याओं को चुनरी अर्पित कर उन्हें स्टडी टेबल, चॉकलेट एवं प्रसाद भेंट किया

कौमी पत्रिका

लखनऊः 11 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि भारत की सनातन परम्परा में नारी शक्ति के प्रति सम्मान और श्रद्धा का विशेष स्थान रहा है। 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' भारतीय संस्कृति का शाश्वत उद्घोष है अर्थात जहां नारी की पूजा और उनका सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। इसके विपरीत, जिस स्थान पर नारी का अपमान और अवमानना होती है, वह स्थान नरक के समान हो जाता है। जो समाज नारी शक्ति का सम्मान और अभिनन्दन नहीं कर सकता, वह विकास की बुलन्दियों को कभी नहीं छू सकता। नारी की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन रामराज्य की परिकल्पना को साकार करता है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी आज जनपद बलरामपुर के देवीपाटन मन्दिर परिसर में शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन 'शिक्षा की उड़ान' पहल के अन्तर्गत स्टडी टेबल एवं आशीर्वाद पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कृषि मेले का शुभारम्भ कर कृषक लाभार्थियों को कृषि यंत्र वितरित किये। कन्याओं को चुनरी अर्पित कर उन्हें स्टडी टेबल, चॉकलेट एवं प्रसाद भेंट किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद पत्र एवं स्टेशनरी किट प्रदान की तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाली उत्कृष्ट बालिकाओं को ट्रैक सूट किट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने देवीपाटन मन्दिर में दर्शन-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज माँ भगवती के प्रथम स्वरूप माँ शैलपुत्री की उपासना का दिन है। यह अद्भुत संयोग है कि आज ही अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष में दो बार, बासन्तिक और शारदीय नवरात्रि के माध्यम से जगत जननी मां भगवती की उपासना करते हुए समाज मातृशक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान प्रारम्भ किया गया। इसका मूल संदेश बेटी को बचाना, बेटा और बेटी के बीच किसी प्रकार का भेदभाव न करना तथा बेटी को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है। देश में नारी के सम्मान, अधिकार और स्वावलम्बन के लिए अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए। 'नारी शक्ति वन्दन अधिनियम' के माध्यम से संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा और विवाह तक

सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के अन्तर्गत बेटी के जन्म के बाद उसके पंजीकरण से लेकर टीकाकरण, पहली कक्षा, छठी कक्षा, नौवीं कक्षा तथा आगे की पढ़ाई के विभिन्न चरणों में 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। हाईस्कूल के बाद डिप्लोमा या अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक बेटियों को भी योजना के अन्तर्गत सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार बेटियों की जन्म से लेकर शिक्षा तक की यात्रा में सरकार सहयोग करती है। विवाह योग्य होने पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए 01 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक 05 लाख से अधिक गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह सम्पन्न कराए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी की भूमि पर मालिकाना अधिकार उपलब्ध कराने के लिए घरौनी की व्यवस्था लागू की गई है। पहले आबादी की भूमि पर स्वामित्व का स्पष्ट अभिलेख नहीं होने के कारण दबंग लोग कब्जा कर लेते थे और गरीब एवं कमजोर परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब घरौनी के माध्यम से जिस भूमि पर परिवार का मकान है, उस पर उसके मालिकाना अधिकार को सुनिश्चित किया जा रहा है। 01 करोड़ से अधिक घरौनियां परिवारों की महिला सदस्यों के नाम पर भी उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और दिव्यांगजन पेंशन के माध्यम से 01 करोड़ 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रतिमाह 01 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। सरकार ने यह भी तय किया है कि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास की धनराशि परिवार की महिला सदस्य के नाम पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे वह आवास की स्वामिनी बन सके। उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत रसोई गैस कनेक्शन भी महिलाओं के नाम पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी प्रकार तीन करोड़ से अधिक परिवारों में शौचालयों का निर्माण केवल स्वच्छता का अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा और सम्मान की रक्षा का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के इतिहास का कोई भी कालखण्ड ऐसा नहीं रहा, जिसमें नारी शक्ति ने अपनी प्रतिभा, पराक्रम और योगदान से समाज को नई दिशा न दी हो। रामायण काल में माता कौशल्या, माँ जानकी और माता शबरी के उदाहरण हमारे सामने हैं। भगवान श्रीराम ने माता अहिल्या को सम्मान प्रदान कर उनके गौरव की पुनर्स्थापना का संदेश दिया। **शेष पृष्ठ 3 पर**

लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं मोदी-शाह- चुनाव आयोग: खरगे

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज और ईवीएम से जुड़े सवालों को लेकर विपक्ष लंबे समय से आवाज उठा रहा है, लेकिन उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया गया। खरगे ने कहा कि पहले जब ईवीएम को लेकर राहुल गांधी जैसे नेता सवाल उठाते थे, तो उनका मजाक उड़ाया जाता था। अब केंद्रीय चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने खुद आयोग के कामकाज में कथित अनियमितताओं और व्यवस्था की खामियों को उजागर किया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने दावा किया कि वोटों में हेरफेर, वोट चोरी और उनमें बदलाव से जुड़े मामलों को लेकर आयोग के भीतर भी सवाल उठे हैं। खरगे के मुताबिक, आयोग के दोनों सदस्यों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखित रूप से अपनी बात बताई, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। खरगे ने कहा कि राहुल गांधी महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के अलंद व महादेवपुरा जैसे क्षेत्रों में कथित वोट चोरी का मुद्दा लगातार उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने इन आरोपों को समझाने के लिए विस्तार से उदाहरण दिए, लेकिन चुनाव आयोग और सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी। कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, इसी वजह से लोगों तक यह मुद्दा पहुंचाने के लिए आंदोलन शुरू किया गया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की बातों को समझने के बाद बड़ी संख्या में युवा आंदोलन से जुड़े और पूरा इंडिया गठबंधन इस मुद्दे पर एकजुट हुआ। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी चुनाव आयोग के कामकाज और उसकी स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक और स्वतंत्र संस्था है, जिसे अपने फैसले स्वतंत्र रूप से लेने का अधिकार है। लेकिन उनके अनुसार, आयोग को स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं लेने दिया जा रहा है। खरगे ने दावा किया कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने आयोग के कामकाज में कथित अनियमितताओं और मौजूदा स्थिति को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन खुलासों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है, ताकि कथित वोट चोरी जारी रह सके। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि अब तक हुई वोट चोरी के सहारे केंद्र और राज्यों में सरकारें बनाई गई हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने 2023 में बनाए गए उस कानून पर भी सवाल उठाए, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कार्यों से संबंधित कुछ मामलों में कानूनी संरक्षण दिया गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि इस कानून के जरिए मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को ऐसा संरक्षण दिया गया, जो राष्ट्रपति और भारत के मुख्य न्यायाधीश को भी हासिल नहीं है।

आईआईआईटी में छात्र की संदिग्ध मौत पर बवाल

निदेशक-डीन के इस्तीफे की मांग, धरने पर बैठे छात्र

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी रांची स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) में प्रथम वर्ष के छात्र आदित्य कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद कैंपस में तनाव का माहौल है। छात्र का शव हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद संस्थान की व्यवस्थाओं

और आपातकालीन सेवाओं में कथित लापरवाही को लेकर विद्यार्थियों में भारी आक्रोश है। नाराज छात्र खेलगांव स्थित हॉस्टल परिसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने संस्थान के निदेशक और एकेडमिक डीन के इस्तीफे के साथ ही कथित लापरवाही के मामले में कार्रवाई की मांग की है।

आपातकालीन व्यवस्था पर उठे सवाल, छात्रों ने खुद सीपीआर देने का किया दावा

छात्रों का आरोप है कि घटना के दौरान संस्थान की आपातकालीन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी। विद्यार्थियों के मुताबिक, रात करीब 11 बजे कमरे का दरवाजा तोड़कर आदित्य को नीचे उतारा गया। उस समय उसकी सांसें चल रही थीं। हॉस्टल की लिफ्ट खराब होने के कारण छात्र को सीढ़ियों के रास्ते नीचे लाना पड़ा। इस दौरान विद्यार्थियों ने खुद सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देकर उसकी जान बचाने की कोशिश की।

'भाजपा सरकार में तमिल का गौरव बढ़ा'

सुधांशु त्रिवेदी बोले- देश में विभाजन पैदा करना राहुल गांधी का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के चेन्नई में दिए गए बयान पर पलटवार किया है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मोगेम्बो बताते हुए आरोप लगाया था कि वह लोकतंत्र को तबाह कर रहे हैं। इस पर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी का लक्ष्य देश में विभाजन पैदा करना है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अनर्गल और आधारहीन आरोप लगाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि वास्तविकता में सत्य क्या है, इसे स्पष्ट करने के लिए वह एक मिनट का पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन

दिखाएंगे। इससे तथ्यों और आंकड़ों की तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अराजकता फैलाने का अभियान चलाया जा रहा है। दुनिया की कई ताकतें नहीं चाहतीं कि भारत तरक्की करे। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी इमरजेंसी की बात करते हैं, लेकिन क्या एक किलोमीटर की बैरिकेडिंग इमरजेंसी है?

• कांग्रेस कार्यालय में हंगामा

धक्कामुक्की व जूते चले

• पदभार ग्रहण करने पहुंचे थे आराधना मिश्रा व इमरान मसूद

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय में आराधना मिश्रा 'मोना' और इमरान मसूद के पदभार ग्रहण कार्यक्रम के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। कार्यक्रम के दौरान अजय राय के साथ एक महिला कांग्रेस नेता द्वारा कथित बदसलूकी किए जाने से उनके समर्थकों में नाराजगी फैल गई। अजय राय नाराज होकर कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैठ गए। इस दौरान समर्थकों के बीच हंगामा और धक्कामुक्की हुई और जूते चल गए। स्थिति को संभालने के लिए वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी अजय राय को मनाने में जुटे रहे। पदभार ग्रहण के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने की तैयारी थी, लेकिन अजय राय उसमें शामिल होने के लिए अंदर नहीं गए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोलीं- देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की रक्षा करना हर नागरिक और कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यह समय स्वागत या सम्मान समारोह का नहीं, बल्कि संघर्ष का है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक बलिदानों और संघर्षों से भरा रहा है। पार्टी के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह इस परंपरा को आगे बढ़ाए। अध्यक्ष मोना ने विश्वास दिलाया कि सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएगी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति

आप नेताओं पर लगाया भ्रम फैलाने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर गुरुद्वारा बंगला साहिब को बदनाम करने की कोशिश का आरोप लगाया है। कालका ने कहा कि वे इस प्रकरण को लेकर अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। नक्शे देखें हरमीत सिंह कालका ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज दोपहर, हम अरविंद केजरीवाल

और उनके साथियों के खिलाफ डीसीपी ऑफिस, पार्लियामेंट स्ट्रीट में औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे। उन पर गुरुद्वारा बंगला साहिब में घुसने, राजनीतिक नारे लगाने, हंगामा करने और गुरु घर व उसके प्रबंधन को बदनाम करने के लिए गुमराह करने वाले वीडियो फैलाने का आरोप है।' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि गुरुद्वारा बंगला साहिब करुणा और निस्वार्थ सेवा का एक सदाबहार प्रतीक है, जो बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए खुला है।समाचार पढ़ें इस संबंध में बात करते हुए हरमीत सिंह कालका ने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि गुरु घर के अंदर राजनीति की जा रही है। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने यह नैरेटिव बनाने की कोशिश की है कि पुलिस गुरुद्वारे में घुस गई थी। मेरा मानना है कि यह बहुत गंदी राजनीति है।

हल्द्वानी नर्सिंग कॉलेज में फिर रैगिंग, छात्र दाखिले के अगले दिन ही घर लौटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उधमपुर (जम्मू-कश्मीर) के एक छात्र ने 5 अक्टूबर को दाखिला लिया और अगले ही दिन कॉलेज छोड़ दिया। उसने कॉलेज प्रशासन को सौंपे शिकायत पत्र में सीनियर्स पर बॉस कहलवाने, अभद्रता व गाली-गलौज का आरोप लगाया है। छात्र के अनुसार, सीनियर्स ने दाखिले वाले दिन ही उसे अपने कमरे में बुलाकर बॉस कहलवाया, अभद्रता की और गाली-गलौज भी की। इस घटना से आहत छात्र ने दाखिला रद्द करने का अनुरोध करते हुए शिकायती पत्र सौंपकर घर का रुख किया। प्राचार्य ने शिकायत की पुष्टि करते हुए मामले को गंभीरता से लेने और गहन जांच के बाद सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि जिस मेडिकल कॉलेज परिसर में नर्सिंग कॉलेज संचालित होता है, वह रैगिंग के लिए बदनाम रहा है। मार्च 2022 में सिर मुंडवाने, दिसंबर 2022 में मुर्गा बनाने और मार्च 2024 में पांच छात्रों के निष्कासन जैसे मामले सामने आ चुके हैं।

सेना पर आईएसआई की सेंध, दो सैन्यकर्मी समेत तीन गिरफ्तार

फरीदकोट (एजेंसी)। देश की सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर मामले में इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, फाजिल्का ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी सेना को गोपनीय सूचनाएं साझा करने का आरोप है। फाजिल्का के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल द्वारा 8 अक्टूबर को दर्ज एफआईआर के अनुसार, दिलप्रीत सिंह, राजबीर सिंह (दोनों सैन्यकर्मी) और गुरनूर सिद्धू (महिला) को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों सैन्यकर्मी भारत-चीन सीमा पर तैनात थे। इन पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 के तहत कार्रवाई की गई है। यह मामला देश की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इसमें भारतीय सेना के कर्मियों पर सीधे तौर पर दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने का आरोप है। जांच एजेंसियां अब उन गोपनीय सूचनाओं का पता लगा रही हैं जो कथित तौर पर साझा की गईं, साथ ही अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भी तलाश जारी है। फिलहाल, आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

शारदीय नवरात्रि पर रजनीकांत के फैन ने 230 तस्वीरों से सजाया मंदिर

-दिल्ली में पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई। 10 दिन तक चलने वाले इस उत्सव की सबसे ज्यादा धूम पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और मध्य भारत में रहती है। दिल्ली में नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं ने झंडेवालान मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं, तमिलनाडु के मदुरै में रजनीकांत के एक फैन ने मंदिर में खास सजावट की। इसमें रजनीकांत के 230 से ज्यादा किरदारों की तस्वीरें और प्रतिरूप लगाए गए हैं। फैन पिछले तीन साल से हर नवरात्रि पर यह सजावट कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ के बस्तर में नवरात्रि उत्सव की पारंपरिक 'काछन गादी' रस्म पूरी की। इस रस्म के बाद देवी ने बस्तर दशहरा उत्सव शुरू करने की अनुमति दी। यह परंपरा हर साल दशहरा उत्सव की शुरुआत से पहले निभाई जाती है। यूपी के मिर्जापुर में नवरात्रि के पहले दिन मां विंध्यवासिनी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई। जम्मू और कश्मीर के कटरा में नवरात्रि के पहले दिन पूजा करने के लिए कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के मां शारदा मंदिर में श्रद्धालु दर्शन और प्रार्थना करने पहुंचे।

शराब से केंद्र और राज्यों को चार लाख करोड़ रुपये की आय, तेलंगाना सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। शराब उद्योग से केंद्र और राज्य सरकारों को सालाना करीब चार लाख करोड़ रुपये की कर आय प्राप्त होती है। राज्यों के कुल कर राजस्व में शराब की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में शराब से कर आय का हिस्सा सबसे अधिक 32 प्रतिशत है। इसके बाद तमिलनाडु 27 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश 25 प्रतिशत के साथ 3 प्रमुख राज्यों में शामिल हैं। केरल, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शराब से कर आय की हिस्सेदारी 23-23 प्रतिशत बताई गई है। आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में यह आय 21 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि कई राज्यों की आर्थिक व्यवस्था में शराब से मिलने वाला राजस्व अहम भूमिका निभाता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में शराब उद्योग से केंद्र और राज्यों को कुल चार लाख करोड़ रुपये की कर आय शराब से मिली. 2020-21 में यह लगभग 2.4 लाख करोड़ रुपये थी। इस अवधि में राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उद्योग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 से 2025 के बीच महंगी श्रेणी की शराब की सालाना वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत रही। इससे शराब बाजार में प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग आय बढ़ने का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

मणिपुर में ताजा झड़पों में अब तक 9 की मौत, सीएम ने की हत्या व हिंसा की निंदा

–सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे

इम्फाल, एजेंसी।
मणिपुर के हिंसा प्रभावित पहाड़ी जिलों में रविवार को भी तनाव बना रहा और दो समुदायों के बीच ताजा झड़पों में मरने वालों की संख्या अब 9 हो गई है। इस बीच सीएम वाई खेमचंद सिंह ने शांति और संयम बनाए रखने की अपील की और अधिकारियों से स्थिति को नियंत्रण में लाने को कहा। बता दें शुक्रवार-शनिवार को कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी जिलों में हिंसा की ताजा घटनाओं में कई लोगों की मौत की खबरें सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ने पोस्ट में कहा कि मैं निर्दोष नागरिकों की हत्या और हिंसा की निंदा करता हूं। मैंने संबंधित अधिकारियों को शांति और कानून-व्यवस्था बहाल करने तथा सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सभी समुदायों से स्थिति को शांत करने के लिए संयम बरतने और शांति, संवाद तथा सद्भाव को प्राथमिकता देने की भी अपील की। सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक शनिवार को संदिग्ध उग्रवादी कामजोंग जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास तंगखुल नगा समुदाय की बस्ती निंगचौ गांव में भी घुस गए और गोलीबारी की। इस घटना में नगाचांसो निंगशेन और लेइशिशान लेइशादांग की मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा बल गांव पहुंचे। स्थानीय लोगों का दावा है कि गोलीबारी करने के बाद हमलावर म्यांमा की ओर भाग गए। उखरुल जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने चेपू याओलेन गांव के पास एक कार पर गोलीबारी की, जिसमें संदीप राय की मौत हो गई।
कांगपोकपी जिले के मकुई अशांग और तापन में भी सशस्त्र समूहों के बीच भारी गोलीबारी की सूचना है। इस साल फरवरी से कुकी और नगा जनजातीय समुदायों के बीच जारी हिंसा में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई मकानों को आग लगा दी गई है। इससे पहले राज्य में इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और आसपास की पहाड़ियों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।

हवा में विमान के अंदर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से निकला धुआं

-हैदराबाद में इंडिगो फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6115 को एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से धुआं निकलने के बाद हैदराबाद की ओर डायवर्ट कर दिया गया। घटना के बाद विमान में मौजूद यात्रियों के बीच चिंता की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, केबिन क्रू ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पायलटों ने विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला किया। विमान की राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइन के मुताबिक, घटना के दौरान यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए गए। उपलब्ध जानकारी में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने का उल्लेख नहीं है।

यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने की व्यवस्था
इंडिगो ने यात्रियों को उनके गंतव्य चेन्नई तक पहुंचाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की है। एयरलाइन के अनुसार, यात्रियों को रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है और उन्हें स्थिति के बारे में समय-समय पर जानकारी दी जा रही है। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित घटना के कारण यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार, लेकिन कानूनों का पालन जरूरी

-बीजेपी सांसद ने सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर के विरोध पर विपक्ष को घेरा

कांगड़ा , एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर बीजेपी तक कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या भी बतानी पड़ती है। कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून से ऊपर नहीं है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनुराग ने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कुछ लोग यह सोचते हैं कि उन्हें किसी को जानकारी देने की जरूरत नहीं है और वे संस्थाओं, नियमों और कानून से ऊपर हैं, तो देश इस तरह नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर ठाकुर ने कहा कि नियमों के मुताबिक कोई भी विरोध कर सकता है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए।
उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विदेशी ताकतों के एजेंडे के मुताबिक भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस आधार के आरोप लगाकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश सफल नहीं होगी। इस दौरान अनुराग ने शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

अब सीजेपी के साथ प्रदर्शन में उतरेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली , एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन प्रमुख नेताओं, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत में लिए जाने के बाद दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी ने अजिंक्य शिंदे को विरोध प्रदर्शन का नया कप्तान नियुक्त किया है, जिन्होंने ऐलान किया है कि रविवार को भी आंदोलन नहीं थमेगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस बार प्रदर्शन की आवाज़ पूरे देश में गूंजेगी और पहले से कहीं ज़्यादा जोरदार होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, अमित शाह की दिल्ली पुलिस खुद तो गुंडागर्दी पर उतर ही आई।
गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधे चुनौती देते हुए कहा, अमित शाह, जितनी पुलिस लानी है, 10 हज़ार, 20 हज़ार, 40 हज़ार, ले आइए। भाजपा आरएसएस के जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने वाले नहीं हैं। पीछे हटने वाले नहीं हैं। ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है! उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार को वे मुख्य न्यायाधीश से भी मुलाकात करेंगे और मांग करेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार-तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने जोर देकर कहा, संविधान की धज्जियां उड़ेंगी और हम चुप बैठेंगे? ऐसा हरगिज़ नहीं होगा। जवाबदेही तय करवाकर रहेंगे! राहुल गांधी ने अपने विरोधियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहे हैं और उन्हें अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि अब खलनायक धीरे-धीरे घिरते जा रहे हैं और इनका दायरा सिमट रहा है। यह गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी बुधवार से लेकर शुक्रवार तक दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रही थी। हालांकि, शनिवार को जब सीजेपी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश की और पूरी दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया, तब कांग्रेस ने इस आंदोलन से दूरी बनाए रखी। बयानों के जरिए कांग्रेस जरूर भाजपा और केंद्र सरकार पर वार करती रही। राहुल गांधी शनिवार को चेन्नई में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी, लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरे नहीं : राहुल गांधी

चेन्नई (एजेंसी)। राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा कि लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरने की जरूरत नहीं हैं। आइलैंड ग्राउंड्स में 30 मिनट के कार्यक्रम में राहुल ने कहा कि सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी है। सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोप रही है। तमिल कल्चर, भाषा इतिहास पर हमला किया जा रहा है। आपका वोट चोरी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पहली बार दक्षिण भारत में आयोजित किया गया।
राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी इंटरनेशनल दबाव में हैं। अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। देश का मूड जनता जान गई है। पूरी दिल्ली बंद है। पुलिस बच्चों को मार रही है, इंटरनेट बंद है। बीजेपी के गुंडे सड़क पर घूम रहे, बच्चों को पीट रहे हैं। पेरियार महान इंसान थे, क्योंकि वे सवाल करते थे। पेरियार ने स्टूडेंट को सिखाया कि बिना समझे किसी भी विचार को फॉलो न करें। सेंट्रलाइजेशन, 87फीसदी एमबीबीएस तमिल सीट कम की जा रही हैं। 70फीसदी यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर नहीं है, उसको आरएसएस के गर्वनर चला रहे हैं।

क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है?

–बीजेपी सांसद ने जेएनयू प्रोफेसर पर लगे आरोपों पर राहुल से पूछा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने रविवार को कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेएनयू की पूर्व प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम से जुड़े यौन उत्पीड़न के आरोपों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। स्वराज ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 9 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सांसद बिमोल अकोइजम को यौन दुराचार के आरोपों के चलते जेएनयू ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। मई 2026 में एक-दो नहीं, बल्कि 11 छात्रों ने अकोइजम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं।
मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जेएनयू ने पॉश एक्ट के तहत एक आंतरिक कमेटी गठित की। कमेटी ने तमाम साक्ष्यों, गवाहों और पीड़ितों की गवाही के आधार पर मामले की जांच की, जिसके बाद बिमोल अकोइजम को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। यह कार्रवाई गंभीर सवाल उठाती है। स्वराज ने कहा कि आरोप बेहद परेशान करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने स्टूडेंट्स को देर रात एकेडमिक असेसमेंट के लिए अपने घर बुलाया था, जिसमें एक वाइवा परीक्षा भी शामिल थी जो कथित तौर पर रात 11:40 बजे तक चली।
बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज मैं राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि क्या पितृसत्ता का अंत आपके लिए महज एक राजनीतिक जुमला है? इस घटना ने कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर किया है। कांग्रेस के लिए नारीवाद की शुरुआत सिर्फ एक हैशटैग से होती है और जवाबदेही के मोर्चे पर आते ही दम तोड़ देती है।
उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, देश आपकी चुनिंदा नाराज़गी, आपके मकसद से प्रेरित रुख पर, झूठे नैरेटिव पर सवाल उठाता है। इस आरोपी सांसद के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने अब तक न कोई जांच बैठाई है, न ही उनसे जवाबदेही तय करने के लिए कोई शो-कॉज नोटिस जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से किसी भी प्रकार का कोई एक्शन नहीं लिया गया। राहुल गांधी क्या 11 छात्राओं की शिकायतों की गूंज आप तक नहीं पहुंची? या आप छात्रों की गूंज को सिर्फ एक छिछोरी कॉमेडी के लिए आवरण बना लिया है?

दिल्ली में इंटरनेट बंद पर उमर अब्दुल्ला का तंज, बोले– नए जेएंडके मॉडल में स्वागत है

नई दिल्ली , एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के एक प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले जंतर-मंतर के आसपास इंटरनेट सेवाओं को एहतियातन निलंबित करने पर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेताओं ने इसे कश्मीर मॉडल करार देते हुए लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया है। खबर: जंतर-मंतर पर कॉजपा के शनिवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली में पांच किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट सेवाएं निलंबित किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इंटरनेट निलंबन पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कश्मीर मॉडल को दिल्ली में लागू कर दिया गया है और यह नए जम्मू-कश्मीर के मॉडल पर बनी नई दिल्ली का स्वागत है। उनके पिता और नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से निपटने का केंद्र का तरीका कश्मीर के लोगों के साथ वर्षों से किए जा रहे व्यवहार की याद दिलाता है। उन्होंने जोर दिया कि विपक्ष की आवाज दबाना और लोगों को जायज चिंताएं उठाने के अधिकार से वंचित करना लोकतंत्र की भावना को कमजोर करता है। अब्दुल्ला ने सुशासन के लिए सशक्त विपक्ष को जरूरी बताया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर में लगाई गई पाबंदियों से दिल्ली की स्थिति की तुलना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज की दिल्ली कश्मीर की भयावह याद दिलाती है, जहां लोगों को घरों में बंद कर दिया गया था और इंटरनेट बंद था। मुफ्ती ने सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान पर आरोप लगाया कि वह विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के बाद बेशर्मी से दावा करेगा कि कोई प्रदर्शन हुआ ही नहीं।

बीजेपी स्वतंत्रता सेनानी को नहीं मानती, ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है

–अखिलेश बोले– हमने जेपी की याद में स्मारक बनाया, सरकार इसे भी बेच रही है

लखनऊ, एजेंसी।
लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जेपीएनआईसी का दौरा किया। वह जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस बीच उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अखिलेश पर निशाना साधा।
जेपीएनआईसी का दौरा करने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया और उनके मूवमेंट से परिवर्तन हुआ, वो समाजवाद की विचारधारा लेकर चले। जेपी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने राष्ट्रपति महात्मा गांधी के साथ काम किया। हालांकि अब म्यूजियम में कुछ बचा नहीं क्योंकि आज की जो सरकार है वह किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को नहीं मानती। ये इससे भी मुनाफा कमाना चाहती है। हमने जयप्रकाशजी की याद में इतना बड़ा स्मारक बनाया लेकिन सरकार इसे भी बेच रही है।
अखिलेश ने कहा कि इस सरकार के लिए विचार बड़ा नहीं, उन्होंने रुपए में बेच दिया। पैसे के भार से उन्होंने विचार दबा दिए। सरकार में बैठे लोग पीड़ा देने वाले लोग हैं और ये जितना पीड़ा देंगे उतना पीडीए बढ़ेगा, परिवर्तन होना तय है। इस सरकार के पास 45 से 50 दिन ज्यादा नहीं बचे हैं।
इसके बाद प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के प्रदर्शन को सिर्फ एक नाटक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी महापुरुषों और लोहिया-जेपी के नाम का इस्तेमाल सिर्फ अपने करतूतों को छिपाने के लिए कर रही है। पाठक ने सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश सरकार के कार्यकाल में जो प्रोजेक्ट शुरू में 17 करोड़ रुपए का था, उसकी लागत बढ़कर 850 करोड़ रुपए तक कैसे पहुंच गई? उन्होंने जेपीएनआईसी की लागत बार-बार बढ़ाने और उसमें फाइव स्टार सुविधाओं और स्विमिंग पूल बनाए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए।
पाठक ने जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए कहा कि जेपी ने अपनी पूरी जिंदगी में भ्रष्टाचार, कदाचार और परिवारवाद के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान करने और उनके बताए आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना है, न कि राजनीतिक रोटियां सेंकना। इससे पहले ओमप्रकाश राजभर ने भी जेपीएनआईसी को लेख अखिलेश यादव पर निशाना साधा था। उन्होंने पूछा कि जेपीएनआईसी पर 864 करोड़ रुपए खर्च कर दिए फिर भी परियोजना पूरी नहीं हुई। इतना पैसा आखिर गया कहां? आप जेपीएनआईसी के नाम पर राजनीति करने से पहले बताए कि जनता के 864 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी निर्माण पूरा क्यों नहीं हुआ? एक-एक रुपए का हिसाब दीजिए।

डीजीपी को प्रतिवेदन सौंपा उन्होंने डीजीपी के कार्यकाल और बढ़ाने पर शुभकामनाएं भी दी: वकील डॉ. ए पी सिंह

पश्चिम बंगाल राज्य से नागेन्द्र अनंत राय महाराज, जो कि भाजपा के राज्य सभा सदस्य है, कूचबेहर जनपद में कोतवाली थाना में दर्ज मामले में देश के जाने माने वकील डॉ. ए पी सिंह को केस सौंपा है वे अपनी लीगल टीम के साथ डॉ. सिंह के दिल्ली स्थित कार्यालय पर पहुँच कर अपने केस से जुड़े हुए सभी दस्तावेजों के साथ क़ानूनी विषयों पर मंथन किया एवं डॉ. ए पी सिंह को अपना वकील नियुक्त किया जिसके उपरांत सुप्रीम कोर्ट के जाने-माने अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह ने आज पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (ष्ठत्नक्क), कोलकाता और पुलिस अधीक्षक, कोचबिहार को एक विस्तृत संवैधानिक कानूनी प्रतिवेदन डॉ. ए पी सिंह ने पश्चिम बंगाल, कोलकाता, पुलिस मुख्यालय में सौंपा। यह एफ़ आई आर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 196(1)(ए) व (बी), 197(1)(सी), 299, 352, 353(2) व 356 के तहत दर्ज की गई है। मशहूर वकील डॉ. ए.पी. सिंह ने डी जी पी को सौंपे गए अपने प्रतिवेदन में कहा है कि - यह एफ़ आई आर तथ्यों को गलत समझने और कथित बयान की गलत व्याख्या पर पूरी तरह से आधारित है।उक्त धाराओं के अपराधों के आवश्यक तत्वों का पूर्ण अभाव है।भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं है। किसी विशेष समुदाय, जाति या धर्म को लक्षित करने का अभाव है। किसी प्रकार के उकसावे, भड़काऊ भाषण या लोक अशांति का अभाव है। कथित बयान संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आता है। प्रतिवेदन में निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और संवैधानिक तरीके से जांच करने और अपराध न बनने पर नियमानुसार क्लोजर / फाइनल रिपोर्ट दाखिल करने की बात कही गई है। प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह ने बताया कि नागेन्द्र अनंत राय महाराज एक कानून का पालन करने वाले वरिष्ठ नागरिक हैं, संविधान और सांप्रदायिक सद्भाव का पूरा सम्मान करते हैं और जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। वकील डॉ. ए पी सिंह ने पश्चिम बंगाल के डी जी पी सिद्धनाथ गुप्ता के कार्यकाल को और बढ़ाये जाने पर राज्य के मुख्यमंत्री का धन्यवाद भी प्रकट किया। विदित रहे सांसद नागेंद्र अनंत राय महाराज ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर विवादित टिप्पणी की थी वे कूचबेहर को अलग राज्य बनाने की भी पैरवी करते रहे है, उनकी बनायी हुई नारायणी सेना पर भी कई आरोप लगते रहे है, और कहा जाता रहा है कि इसे बीएसएफ ट्रेनिंग देती है, हालाकि बाद में बीएसएफ ने इसका पूरी तरह से खंडन किया।

जूरिस्ट्स फेडरेशन का बड़ा फैसला: अब जिला, ब्लॉक एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी भी कर सकेंगे संगठन के लोगो का इस्तेमाल

नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता)- जूरिस्ट्स फेडरेशन (Jurists Federation) के अध्यक्ष राजीव अग्निहोत्री ने संगठन के विस्तार, पदाधिकारियों की पहचान को सुदृढ़ करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में एकरूपता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की है। इस निर्णय के तहत अब जिला, ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर नियुक्त जूरिस्ट्स फेडरेशन के पदाधिकारी भी संगठन के आधिकारिक लोगो का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस निर्णय को फेडरेशन के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने और जमीनी स्तर पर कार्यरत पदाधिकारियों को संगठन से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जूरिस्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में निहित होती है। जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर कार्य करने वाले पदाधिकारी आम नागरिकों, अधिवक्ताओं तथा स्थानीय समुदायों के बीच संगठन की विचारधारा, उद्देश्यों और गतिविधियों को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए उन्हें संगठन की आधिकारिक पहचान के साथ कार्य करने का अवसर प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जूरिस्ट्स फेडरेशन का उद्देश्य न्याय, विधिक जागरूकता, संवैधानिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संगठन को केवल राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तर तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसकी गतिविधियों को जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना भी आवश्यक है। अध्यक्ष राजीव अग्निहोत्री ने घोषणा की कि संगठन के लोगो के उपयोग की अनुमति अब जिला, ब्लॉक एवं तहसील स्तर के अधिकृत पदाधिकारियों को भी दी जाएगी। इसके माध्यम से वे संगठन से संबंधित पत्राचार, आधिकारिक परिचय सामग्री, संगठनात्मक कार्यक्रमों, बैठकों, जागरूकता अभियानों तथा अन्य अधिकृत गतिविधियों में लोगो का उपयोग कर सकेंगे, बशर्ते वे फेडरेशन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि लोगो केवल एक प्रतीक या डिजाइन नहीं होता, बल्कि वह संगठन की पहचान, प्रतिष्ठा, विश्वसनीयता और उसके उद्देश्यों का प्रतिनिधित्व करता है। जब संगठन के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत पदाधिकारी एक समान आधिकारिक पहचान के साथ कार्य करते हैं, तो इससे संगठन की एकजुटता और पहचान को मजबूती मिलती है। राजीव अग्निहोत्री के अनुसार, इस निर्णय से जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी। स्थानीय स्तर पर नियुक्त पदाधिकारी संगठन की योजनाओं और कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ नागरिकों को उनके अधिकारों, कानून की जानकारी और न्याय व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करने में भी योगदान दे सकेंगे। उन्होंने यह

भी कहा कि जूरिस्ट्स फेडरेशन अपने संगठनात्मक विस्तार के साथ-साथ अनुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी समान महत्व देता है। लोगो के उपयोग की अनुमति का उद्देश्य किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत लाभ प्रदान करना नहीं, बल्कि संगठन की अधिकृत पहचान के माध्यम से सामूहिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाना है। फेडरेशन के सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे संगठन के नाम और लोगो का इस्तेमाल जिम्मेदारीपूर्वक करें। इसका उपयोग किसी भी भ्रामक दावे, अनधिकृत प्रतिनिधित्व, व्यक्तिगत व्यावसायिक लाभ अथवा ऐसे कार्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए, जिससे संगठन की प्रतिष्ठा प्रभावित हो। लोगो के उपयोग से संबंधित विस्तृत प्रक्रिया, आवश्यक अनुमति और अन्य शर्तें फेडरेशन के निर्धारित नियमों के अनुसार लागू होंगी। अध्यक्ष राजीव अग्निहोत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से संगठन के विभिन्न स्तरों के बीच समन्वय बढ़ेगा और पदाधिकारियों को अधिक सक्रियता के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक मजबूत संगठन वही होता है, जिसमें प्रत्येक स्तर पर कार्य करने वाले लोगों को उचित पहचान, जिम्मेदारी और मार्गदर्शन प्राप्त हो। जूरिस्ट्स फेडरेशन का यह निर्णय संगठन की पहचान को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने तथा राष्ट्रीय स्तर से स्थानीय स्तर तक एक सशक्त संगठनात्मक नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री योगी ने कन्याओं को चुनरी अर्पित कर उन्हें स्टडी टेबल, चॉकलेट एवं प्रसाद भेंट किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म माता देवकी के गर्भ से हुआ, लेकिन उनका पालन-पोषण यशोदा मैय्या ने किया। आज भी प्रत्येक सनातन धर्मावलम्बी यशोदा मैय्या का स्मरण श्रद्धा और सम्मान के साथ करता है। द्रौपदी भारतीय समाज में आदर्श नारी के रूप में सम्मानित हैं। विदुषी नारियों की चर्चा में मैत्रेयी और गार्गी के नाम विशेष रूप से लिए जाते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की नारी ने विदेशी आक्रान्ताओं के दौर में भी अपनी शक्ति और साहस का परिचय दिया। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सनातन परम्परा और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने विदेशी आक्रान्ताओं द्वारा ध्वस्त किए गए मन्दिरों के पुनरुद्धार, धार्मिक स्थलों के विकास, घाटों के निर्माण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए अनेक कार्य किए। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और केदारनाथ सहित अनेक धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार में उनका योगदान स्मरणीय है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति, सुशासन और जनसेवा की प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना अवन्तीबाई लोधी, वीरांगना ऊदा देवी पासी और वीरांगना झलकारी बाई जैसी महान नारियों ने अपने साहस और बलिदान से भारतीय समाज को नई दिशा दी। रानी लक्ष्मीबाई ने वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। इन वीरांगनाओं का जीवन आज भी देश की बेटियों को साहस, आत्मसम्मान और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। स्वतंत्र भारत में भी महिलाओं ने अपने परिश्रम और प्रतिभा से समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परम्परा भी नारी सम्मान का प्रमाण है। संविधान निर्माताओं ने संविधान निर्माण के समय ही महिलाओं को पुरुषों के समान मतदान का अधिकार प्रदान किया, जबकि दुनिया के अनेक आधुनिक लोकतंत्रों में महिलाओं को यह अधिकार बहुत बाद में मिला। यह भारत के संस्कारों और उसकी प्रगतिशील सामाजिक चेतना का परिचायक है। हमारे पर्व और त्योहार इन्हीं संस्कारों को पीढ़ी-दर-पीढी आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। यदि हम माँ भगवती के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हैं, तो हमारा दायित्व है कि प्रत्येक नारी को सम्मान दें, उसकी सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहें और स्वावलम्बन की दिशा में आगे ब ?ने के लिए सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्हें आकांक्षी जनपद बलरामपुर में बेसिक शिक्षा परिषद तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बेटियों को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जिले के मण्डलायुक्त और प्रशासन द्वारा स्टडी टेबल वितरण का जो अभिनव मॉडल प्रारम्भ किया गया है, वह बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। नौ दुर्गा स्वरूप बालिकाओं को सम्मानित करने, उन्हें स्टडी टेबल प्रदान करने और अन्य छात्राओं का उत्साहवर्धन करने का उद्देश्य बेटियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकें। मुख्यमंत्री जी ने बेसिक शिक्षा की पूर्ववर्ती स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक 100 बालिकाओं में से लगभग 20 बालिकाएं बीच वर्ष में ही पढ़ाई छोड़ देती थीं और फिर विद्यालय नहीं लौटती थीं। जब इस स्थिति के कारणों की समीक्षा की गई तो सामने आया कि विद्यालयों में पेयजल और शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं थी। सरकार ने विद्यालयों में बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाने, पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में सुधार करने पर विशेष ध्यान दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समीक्षा में यह भी सामने आया कि 60 से 70 प्रतिशत तक बालिकाएं बिना जूते-मोजे के विद्यालय जाने के लिए मजबूर थीं। अनेक बच्चों के पास भीषण सर्दी में पहनने के लिए स्वेटर और ऊनी वस्त्र तक उपलब्ध नहीं थे। इस स्थिति को बदलने के लिए सरकार ने प्रत्येक बच्चे को वर्ष में दो यूनिफॉर्म, स्कूल बैग, पुस्तकें, स्वेटर, जूते और मोजे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। आज प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 01 करोड़ 60 लाख बच्चों को इन सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। विद्यालयों में बेहतर फर्श, फर्नीचर और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही हैं, ताकि उन बच्चों को भी आधुनिक शिक्षा और तकनीक का लाभ मिल सके, जिनकी पहुंच पहले कम्प्यूटर और स्मार्ट क्लास तक नहीं थी। शिक्षा के क्षेत्र में यह परिवर्तन बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन, रोजगार और कृषि विकास सहित प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जा रहा है। शारदीय और बासन्तिक नवरात्रि का संदेश भी यही है कि महिला और पुरुष दोनों को विकास की मुख्यधारा से समान रूप से जोड़ा जाए तथा उन्हें सम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर और वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि का शुभारम्भ और अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस का संयोग समाज को बेटियों के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि आगामी नौ दिनों तक जगत जननी माँ भगवती का अनुष्ठान और पूजन किया जाएगा। दशमी के दिन भगवान श्रीराम की विजय के उत्सव को विजयादशमी के रूप में भव्यता के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज कार्यक्रम में कृषि मेले का शुभारम्भ करते हुए भी उन्हें प्रसन्नता हुई है। बलरामपुर पहले आकांक्षी जनपद था। राष्ट्रीय सरयू नहर परियोजना के पूर्ण होने तथा उसकी विभिन्न शाखाओं के विकास से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। परियोजना की विभिन्न शाखाओं के कार्य पूरे होने से बलरामपुर जनपद और देवीपाटन मण्डल में कृषि विकास को नई गति मिलेगी। कृषि मेले के माध्यम से किसान कृषि क्षेत्र में हुए नवाचारों, आधुनिक तकनीकों और नए प्रयोगों को देखने-समझने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

अब मोबाइल पर 66 साल पुराने नाटकों का मंचन...आकाश एप तैयार

नई दिल्ली। यदि आप नाटकों के शौकीन हैं और खासकर पुराने नाटक जिन्हें आप देख नहीं सकते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) नाटकों को रेडियो पर सुनाने की तैयारी कर रहा है। दुनिया में किसी भी जगह बैठकर हिंदी और क्षेत्रीय भाषा के दर्शक या श्रोता अपने मोबाइल पर बैठकर एनसीडी के 66 साल के नाटकों को सुन पाएंगे। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, 66 साल पुराने नाटकों का ऑडियो संकलन का काम जारी है। इसके लिए एनएसडी ने आकाश नाम से एप तैयार किया है। इसके माध्यम से रंगप्रेमी पुराने नाटकों की ध्वनी सुन सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए गूगल स्टोर पर जाकर आकाश एप को डाउनलोड करना पड़ेगा। इसी एप पर सभी नाटकों की ध्वनि को किया जाएगा। इसके बाद, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति नाटक को सुन सकेगा। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, भारत रंग महोत्सव के 25वें संस्करण का आयोजन 27 जनवरी से 20 फरवरी तक होगा। दिल्ली के अलावा देश के 40 शहरों में नाटक मंचित होंगे। इसमें हर महाद्वीप से एक देश को शामिल किया गया है। इस बार के भारत रंग महोत्सव में 136 भारतीय और 12 विदेशी नाटक, जिनमें 228 भाषाओं और बोलियों में 277 प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। इसमें महिला निर्देशकों द्वारा 33 प्रस्तुतियों के अलावा, 19 विश्वविद्यालय और 14 स्थानीय प्रस्तुतियां भी शामिल हैं। एनएसडी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर भरत गुप्त ने बताया, जम्मू-कश्मीर स्थित लेह-लददाख में माइनस डिग्री में दर्शकों को नाटकों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के मंडी, हरियाणा के रोहतक,लेह लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव, मिजोरम के आइजोल, मेघालय में तुरा, असम के नगांव में नाटक मंचित होंगे। महोत्सव में मैथिली, भोजपुरी, तुलु, उर्दू, संस्कृत, ताई खामती और न्यिशी भाषाओं को शामिल किया गया है।

NAME CHANGE

I, Nagendra Singh S/O: Hari Shyam Singh, R/O SE-583-A, shastri nagar, near petrol pump, Ghaziabad, Kavi Nagar, Uttar Pradesh, 201002, have changed the name of my minor daughter Gauri Anika aged 12 years and she shall hereafter be known as Anika Singh.

NAME CHANGE

I, BRIJESH SINGH S/O Faujdar Singh R/O House Number -K H - 1866/2, Govind Town, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have change the name of my minor son KRISH aged 13 years and he shall hereafter be known as KRISH SINGH.

NAME CHANGE

I, BEGAM NASARIN KHATOON W/O MUJIBULLAH ANSARI R/O RZF-1/183, 2ND FLOOR, MAHAVIR ENCLAVE PART-1, PALAM VILLAGE, DELHI-110045 HAVE CHANGED MY NAME TO NASARIN FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Atma Ram S/O: Vaidehi Sharan, R/O Flat.No- A-302, Kingswood Court, Plot.No-Gh-06, Crossing Republik, Ghaziabad, Crossing Republik, Uttar Pradesh, 201016, have changed my name and shall hereafter be known as ATMARAM TIWARI.

NAME CHANGE

I, BRIJESH SINGH S/O Faujdar Singh R/O House Number-K H -1866/2, Govind Town, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have change the name of my minor son PRINCE aged 12 years and he shall hereafter be known as PRINCE SINGH.

Public Notice

It is for general information that I, NIDHI VASHISHT D/O KISHORE VASHISHT R/O 128 A, BLOCK -CC, SHALIMAR BAGH, NORTH WEST DELHI, DELHI -110088 , declare that I got Divorce from my husband Vide Court Decree No. HMA No. 736/23 dated 17/3/23. Further I have changed the name of my minor son NAITIK GUPTA, aged 10 years and he shall hereafter be known as NAITIK VASHISHT , which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. SASHI SETHI & MR. SUBHASH ARORA ARE OWNER AND IN POSSESSION OF "SECOND FLOOR, FRONT SIDE FLAT, WITHOUT ROOF RIGHTS, ADMEASURING 60 SQ. YDS., BUILT ON PROPERTY NO.5, CARVED OUT OF KHASRA NO.64/3, SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE HASTSAL, COLONY KNOWN AS MOHAN GARDEN, K-1 EXTENSION, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GENERAL POWER OF ATTORNEY, AGREEMENT TO SELL & WILL DATED 26.03.2025 EXECUTED BY MRS. CHANDER KANTA ARORA IN FAVOUR OF MRS. SASHI SETHI & MR. SUBHASH ARORA. NOW MRS. CHANCHALA KUMARI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. SASHI SETHI & MR. SUBHASH ARORA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

नाम परिवर्तन

में,I,ARMY NO.2708760W RANK - HAV, NAME - ARASAD ALI, UNIT - HQ 72 INF DIV, निवासी ग्राम - कोलिण्डा, पोस्ट - कोलिण्डा, तहसील - बिसाऊ, जिला - झुन्झुनू (राजस्थान), पिन कोड नम्बर - 333001 , शपथ पूर्वक घोषणा करता हु कि मेरी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे बेटे का नाम मोहद अबीर दर्ज है जो कि गलत है। मेरे बेटे का सही नाम मोहम्मद अबीर है जो उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अत: मेरे बेटे के इन सही नामों को पढ़ा व समझा एवं मेरे सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

NAME CHANGE

I Nitika Sinhmar W/o Abhishek Singh, R/o Plot No 250, Omaxe City Phase - 1, Ajmer Road, Jaipur, Rajasthan 302026 have changed my name to Nitika for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MEENAKSHI SHARMA W/O LOKESH SHARMA R/O H.NO. 2ND C, STAFF QTR NAGAR NIGAM, SECTOR-2, NEAR SHIV MANDIR DR. BALI WALI ROAD, NEHRU NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001 declare that name of mine has been wrongly written as CHETNA SHARMA in my minor son PRADHUM SHARMA aged 15 years in his Birth Certificate No. GHANN2010-011427. The actual name of mine is MEENAKSHI SHARMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Afnan Jamal Khanna, W/O Rajat Khanna, R/O 14-A, Dhruv Apartments, Sector 13, Rohini - 110085 have changed my name to Afnan Jamal for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as JYOTI RAJPAL alias SIMRAN KALRA D/O ASHOK KUMAR RAJPAL ,W/O NITIN KALRA R/O H NO. 53, First Floor, Block BC , West , Shalimar Bagh , North West Delhi. Delhi 110088 have changed my name and shall hereafter be known as SIMRAN KALRA.

NAME CHANGE

I, SUPREME AGARWAL S/O GANESH AGARWAL, R/O AK-62 Third Top Floor, Shalimar Bagh, Opposite, Everbake, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi-110088 have changed the name of my minor daughter NAZUK AGARWAL , aged 8 years and she shall hereafter be known as NISHKKA AGARWAAL.

NAME CHANGE

I hitherto Known as NITISH SHARMA S/o RAM PHAL SHARMA Residing at D-109/A,Burari Road ,Swaroop Nagar, Gali No-1, Libas Pur North West Delhi, Delhi-110042, have changed my name and shall hereafter be known as NITISH KUMAR SHARMA .

NAME CHANGE

I, Sonveer Kumar S/O Durgpal , R/o 360, SUNDER PURI, VIJAY NAGAR, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed the name of my minor daughter Aditi Singh aged 7 years and she shall hereafter be known as Anaya Baghel.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SONI W/O UMESH KUMAR R/O Village- Himayupur, Post Office- Mahamoodpur, Hapur, Uttar Pradesh-245101 have changed my name and shall hereafter be known as KM. SAROJ

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client namely DHARMESH GUPTA S/O SH. RAM SHANKAR GUPTA R/O RZ C-15/11, GURUDWARA ROAD, H-38, GALI NO.9, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-110045, has disowned, debarred his son namely ASHUTOSH GUPTA S/O SH. DHARMESH GUPTA R/o RZ C-15/11, GURUDWARA ROAD, H-38, GALI NO.9, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-110045 from all his moveable and immoveable properties because his son is out of control of my clients. My clients have severed all relations with him. Anyone dealing with him, including any transactions/financial liability, may do so at his/her own risks, costs and consequences.

RAVI RANJAN PANDEY
Advocate
Chamber No.835,
Lawyers Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector 10,
New Delhi-110075.

PUBLIC NOTICE

To whomsoever it may concern that my client namely Shri. Laxmi Narain S/O Sh. Rajeshwar R/O RZ-16, Upper Ground Floor, Back Side, Kh No.-265, M-Block West Sagarpur, Sagarpur, South West Delhi, Delhi-110046, has disowned and debarred his son namely Shri Mohit S/O Sh. Laxmi Narayan, alongwith his wife namely Mrs. Madhu W/O Sh. Mohit, both R/O RZ-16, Upper Ground Floor, Back Side, Kh No-265, M Block, West Sagarpur, Sagarpur, South- West Delhi, Delhi-110046, from his movable and immovable property due to their disrespectful and cruel behavior towards my client. My client has also severed all kinds of relationship with them because they have become disobedient and are not under the control of my client. If anybody deals with them may do so at their own risk, cost and consequences. My client will not be held responsible for any act and omission on the part of above disowned persons.

RISHI GUPTA ADVOCATE
CH. NO. 803,
LAWYERS CHAMBER BLOCK
DWARKA COURTS COMPLEX,
SECTOR-10, DWARKA,
DELHI-110075
M: 7011074085

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SHUAIB S/O SAJID ALI Residing at HOUSE NO D-83/515 GALI NO. 0 CHAUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to MOHD SHOAIB for all future purpose.

NAME CHANGE

I INDRAJ SINGH S/O SHYAM BIHARI, R/O BASAIYA HAR, PO: EKARI, ETAWAH, UTTAR PRADESH -206127, have changed my name and he shall hereafter be known as RAVINDRA KUMAR

NAME CHANGE

I hitherto Known as LAYAKAT S/o SALIMUDDIN R/o village - saini, Saini, Gautam Buddha Nagar, Dadri, Uttar Pradesh, 203207, have changed my name and shall hereafter be known as SHEKHAR. I have changed only my name not my religion.

NAME CHANGE

I, Riyaz Ahmad S/o Jameel Ahmad R/o B-17, Shalimar Garden, Main Sahibabad, District Ghaziabad, UP-201005 declare that name of mine and my father have been wrongly written as Raju and Jameel in my Voter Id Card No. SPN1714103. The actual name of mine and my father are Riyaz Ahmad and Jameel Ahmad

NAME CHANGE

I, PRATAP KUMAR SINGH S/O JAGAR NATH SINGH R/O TELEPHONE EXCHANGE,RZ-66, GALI NO-3, MAIN DABRI EXT. PALAM ROAD,DABRI EXTN.,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110045,HAVE CHANGED MY NAME TO PARTAP KUMAR SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, LAKSHMI DEVI M/o Army No-15693170X Rank Hav (OCC) Amit Kumar R/o Ward No. 6, Village Bishanpur Bazar, PO-Bishanpur Bazar, P.S Kumarkhand, Dist-Madhepura, Bihar-852112 declare that my correct name is LAKSHMI DEVI, whereas it has been wrongly recorded as LASHMI DEVI in my son's service records. My correct Date of Birth is 01-01-1965, whereas it has been wrongly recorded as 01-07-1963.

NAME CHANGE

I, DEONANDAN CHOUDHARY F/o Army No-15693170X Rank Hav (OCC) Amit Kumar R/o Ward No. 6, Village Bishanpur Bazar, PO: Bishanpur Bazar, PS Kumarkhand, Madhepura, Bihar-852112 declare that my name has been wrongly recorded as DEO NANDAN CHOUDHARY and my DOB as 01-07-1959 in my son's service records, whereas my correct name is DEONANDAN CHOUDHARY and my correct DOB is 05-08-1959.

NAME CHANGE

I, VIJAYAN O V, Father Of Army No. 15700075W, Rank Hav (OCC), Name VIJESH K V, S/O VIJAYAN O V, Residing At Vyshnavam, Thompikandam P.O., Edamury, Ranny, Chethakkal, P.O.: Makkapuzha, District Kerala 689676, Hereby Declare That My Name And Date Of Birth Have Been Wrongly Recorded In My Son's Service Documents As VIJAYAN Instead Of VIJAYAN O V And DOB as 01-07-1949 Instead Of 01-01-1953, Respectively. My Correct Name Is VIJAYAN O V And My Correct Date Of Birth Is 01-01-1953, As Per My Aadhaar Card.

NAME CHANGE

I, Kalpana Tanwar w/o Anil Kumar Tanwar r/o WZ-40, Naraina Village, New Delhi-110028 have changed my name and shall hereafter be known as Isha Tanwar.

नाम परिवर्तन

में,ARMY NO.2714282N - L/NK, NAME - MANISH CHAUDHARY, UNIT - HQ 72 INF DIV, निवासी ग्राम - शुक्रताल, पोस्ट - शुक्रताल, तहसील - जानसठ, जिला - मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) , पिन कोड नम्बर - 251316 , शपथ पूर्वक घोषणा करता हु कि मेरी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे बेटे का नाम अभ्यंत दर्ज है जो कि गलत है। मेरे बेटे का सही नाम अभ्यंत तोमर है जो उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अत: मेरे बेटे के इन सही नामों को पढ़ा व समझा एवं मेरे सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUDHEKAR SINGH S/O RAM AUVTAR TYAGI R/O 637/638-B, Nyay Khand-2, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and Shall hereafter be known as SUDHAKAR TYAGI.

NAME CHANGE

I Mursalin Ather Mohammed Yaseen S/o Mohammed Yaseen Mohammed Riyaz R/o Near Creane School, Makhdum Colony, Katari Hill Road, Karimganj, Gaya, Bihar-823001, have changed my name from Mursalin Ather Mohammed Yaseen to Mursalin Ather for all purpose in future.

NAME CHANGE

I RUHANI RAHEJA W/O NIMIT CHUGH H NO-13/13, 3RD FLOOR, GEETA COLONY,DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO RUHANI RAHEJA CHUGH

NAME CHANGE

I NIMIT S/O ASHOK KUMAR CHUGH H NO-13/13, GEETA COLONY, DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO NIMIT CHUGH

NAME CHANGE

I,hitherto known as RAMAN DEEP KAUR LAMBA, W/O Baljinder Singh, R/O WZ-248D, GALI NO-5, VIRENDER NAGAR, DIST:West Delhi, Delhi-110058, have changed my name and shall hereafter be known as RAMANDEEP KAUR LAMBA.

NAME CHANGE

I SHABANAM JAHAN W/O EHSANUL HAQUE KHAN R/O 370, GALI NO-22, ZAKIR NAGAR,SOUTH DELHI, Delhi-110025 have changed my name to SHABNAM JAHAN for all future purposes

NAME CHANGE

I Jitender Kumar Arya S/O Sh. Nath Ram R/O 339 T-Huts, Ring Road, Anna Nagar ,Daryaganj, Central Delhi-110002 have changed my name from Jitender Kumar to Jitender Kumar Arya for all future purposes

NAME CHANGE

I, RAGINI wife of Army No-15823240X, Rank-HAV Name-RAHUL TIWARI unit of COD DELHI CANTT-110010, presently residing at VPO-BILGAON CHAUDHARY, TEHSIL-JOURA, DIST-MORENA, M.P-476221, have changed my name from RAGINI to RAGINI PATHAK for all future purposes vide Affidavit dated 10/10/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I, MD ANWAR S/O MD SAUD R/O H NO L-70 PART LAXMAN PURI PAHAR GANJ DELHI-110055 have changed my name to MD ANWAR ALAM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Phaimida W/O Mehndi Hasan, R/O 228, 0, lala mohhmad pur, kanker kheda, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh - 250001, have changed my name and shall hereafter be known as Fahmida.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Jahangir BaithaS/O PARDEEP BAITHA R/O House No-30, Lachhua, Anchal Bathnaha, Lachhua, PO: Mahuawa, DIST: Sitamarhi,Bihar -843331 presently residing Gali No. 9, Near Som Bazar, Sadarpur Colony, Sector-45, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201301,declare that name of mine has been wrongly written as Mohammad Jahangir in my Adhar card no 7956 3717 1054 the actual name of mine is Jahangir Baitha, which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, JITENDER KUMAR ARYA S/O SH NATH RAM R/O 339, T-HUTS RING ROAD ANNA NAGAR DARYA GANJ DELHI-110002 have changed my name from JITENDER KUMAR to JITENDER KUMAR ARYA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Mangal legally wife of Army no - JC 462510X, RANK - SUB, NAME - KUMATHE YUVRAJ TUKARAM, Presently Residing, AT - CHINCHNER NIMB, POST- CHINCHNER NIMB, TEH - SATARA, DIST - SATARA, STATE - MAHARASHTRA, PIN -415001 have changed my name from MANGAL to MANGAL YUVARAJ KUMATHE for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/04/1987 instead of my correct date of birth as 20/04/1987 Vide Affidavit dated 10/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I KUMATHE TUKARAM RAMU legally father of Army no - JC 462510X, RANK - SUB, NAME - KUMATHE YUVRAJ TUKARAM, Presently Residing, AT - CHINCHNER NIMB, POST- CHINCHNER NIMB, TEH - SATARA, DIST - SATARA STATE - MAHARASHTRA PIN -415001 have changed my name from KUMATHE TUKARAM RAMU to TUKARAM RAMU KUMATHE for all future purposes, and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/11/1955 instead of his correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 10/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I PUTDABAI legally mother of Army no - JC 462510X, RANK - SUB, NAME - KUMATHE YUVRAJ TUKARAM, Presently Residing, AT - CHINCHNER NIMB, POST- CHINCHNER NIMB, TEH - SATARA, DIST - SATARA, STATE - MAHARASHTRA, PIN -415001 have changed my name from PUTDABAI to PUTALABAI TUKARAM KUMATHE for all future purposes, and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/11/1960 instead of his correct date of birth as 01/06/1949 vide Affidavit dated 10/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DIP BISWAS S/O DINESH YADAV R/O A-81, T-HUTS, BLOCK-A, SANJAY CAMP, CHANAKYA PURI, DELHI-110021, have changed my name to DEEP YADAV for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANITA BISWAS W/O DINESH YADAV R/O A-81, T-HUTS, BLOCK-A, SANJAY CAMP, CHANAKYA PURI, DELHI-110021, have changed my name to ANITA YADAV for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DINESH BISWAS S/O BUDH YADAV R/O A-81, T-HUTS, BLOCK-A, SANJAY CAMP, CHANAKYA PURI, DELHI-110021, have changed my name to DINESH YADAV for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sheetal Kumar S/o Shamsher Singh R/o Flat No-112 Third Floor, Pocket-8, Dwarka Sector-12, South West Delhi, 110078 have changed the name of my minor daughter Ellen aged 9 years and she shall hereafter be known as Deepti.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राम चरण (पिता श्री गणेशी) खसरा नंबर 558 में से 60 वर्ग गज के प्लॉट नंबर 246 के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें श्री ब्रह्म (पिता श्री धर्म सिंह) द्वारा श्री राम चरण (पिता श्री गणेशी) के पक्ष में 15.04.1986 को निष्पादित ळक्क और ATS के माध्यम से मिला था। इसके बाद, 18.08.2019 को श्री राम चरण का निधन हो गया। चूंकि श्री राम चरण का SMC उपलब्ध नहीं था, इसलिए 1. श्री बानी सिंह (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र), 2. श्री राज कुमार (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र), और 3. श्री जगदीश कुमार (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र) ने 01.05.2022 को श्री प्रेम सिंह (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र) के पक्ष में नोटरीकृत रिलिनक्विशमेंट/रिलीज़ डीड (हक छोड़ने/रिलीज़ करने का दस्तावेज़) निष्पादित किया। इसके द्वारा यह बताया ओर पुष्टि की जाती है कि स्वर्गीय श्री राम चरण के कानूनी बारिस केवल निम्नलिखित व्यक्ति हैं और उनके अलावा कोई अन्य कानूनी बारिस नहीं है- 1. श्री बानी सिंह, 2. श्री राज कुमार, 3. श्री जगदीश कुमार और 4. श्री प्रेम सिंह (सभी स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र)। ये सभी खसरा नंबर 558 में से 60 वर्ग गज के प्लॉट नंबर 246 के मालिक बने, जो रोशनपुरा ष्ठ-ब्लॉक, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 (रोशनपुरा दिल्ली कॉलोनी का राजस्व क्षेत्र) में स्थित है। इस संपत्ति के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा/हित/अधिकार हे या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रदेशवासियों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि शक्ति उपासना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा मां भगवती की कृपा से हरियाणा निरंतर प्रगति और विकास के पथ पर आगे बढ़े। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नवरात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, साधना, आत्मसंयम और सकारात्मक ऊर्जा के संचय का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने भीतर की शक्ति को पहचानने, बुराइयों पर अच्छाई की विजय के संकल्प को मजबूत करने और जीवन में सात्विक विचारों एवं सद्कर्मों को अपनाने की प्रेरणा देता है। मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना नारी शक्ति के सम्मान, साहस, धैर्य और आत्मविश्वास का संदेश भी देती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार समाज में एकता, सद्भाव और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नवरात्रि का पर्व भी हमें भक्ति, सेवा, करुणा और परोपकार जैसे मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए चलाई जा रही योजनाएं उद्यमियों के लिए बनी सहायक

पलवल। हरियाणा सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए चलाई जा रही योजनाएं उद्यमियों के लिए सहायक साबित हो रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को आर्थिक सहायता मिल रही है। इको प्लास्ट इंडस्टरीज के देवेंद्र शर्मा भी ऐसे ही लाभार्थियों में शामिल हैं, जिन्होंने एमएसएमई योजना के तहत सब्सिडी प्राप्त कर सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। इको प्लास्ट इंडस्टरीज से जुड़े देवेंद्र शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी औद्योगिक इकाई के लिए टेस्टेड इक्विपमेंट पर एमएसएमई योजना के अंतर्गत सब्सिडी का लाभ प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से उद्योगों को आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था करने और अपने कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में सहायता मिलती है। देवेंद्र शर्मा के अनुसार, योजना के तहत सब्सिडी प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रही, जिससे उन्हें काफी सुविधा हुई। उन्होंने बताया कि आवेदन से संबंधित कार्य सरल और आसान तरीके से पूरा हो गया।

रबी सीजन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित, किसानों को खाद की नहीं होगी कमी

पलवल। रबी सीजन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन और निर्देशानुसार उप कृषि निदेशक कार्यालय पलवल में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक डा. जगीर सिंह ने की। इसमें कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों और जिले के सभी थोक उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया। बैठक में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, फसलों की बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने तथा कृषि विभाग की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक डा. जगीर सिंह ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिए कि वे किसानों को खाद की बिक्री के साथ किसी भी अन्य उत्पाद की जबरन बिक्री न करें। किसानों को 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' के अनुसार ही खाद उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी विक्रेता द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जाता है या इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एनसीएस पोर्टल पर युवा निशुल्क पंजीकरण कर रोजगार के अवसरों का उठाएं लाभ:- उपायुक्त सतबीर सिंह

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिला के रोजगार इच्छुक युवाओं का आह्वान किया है कि वे राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल www.ncs.gov.in पर अपना निशुल्क पंजीकरण करवाकर देश-विदेश में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न अवसरों का लाभ उठाएं। मंडल रोजगार कार्यालय, रोहतक द्वारा युवाओं एवं नियोक्ताओं को एनसीएस पोर्टल के संबंध में जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सतबीर सिंह ने बताया कि एनसीएस पोर्टल श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत संचालित निशुल्क राष्ट्रीय पोर्टल है। यह रोजगार के इच्छुक युवाओं, नियोक्ताओं, कौशल प्रदाताओं एवं कैरियर काउंसलरों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करता है। पोर्टल के माध्यम से युवाओं को हरियाणा सहित देश के अन्य राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों के हाथों से 50 लाख से अधिक खातों में ट्रांसफर करवाए 1,634 करोड़ रुपये

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से पारदर्शिता और पात्र लाभार्थियों तक सीधे पहुंच रहा सरकारी योजनाओं का लाभः मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रत्येक माह की 10 तारीख को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को डीबीटी के माध्यम से लाभ राशि भिजवाने के क्रम में चार लाभार्थियों के हाथों से प्रदेश के 50 लाख 46 हजार 624 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में 1,634 करोड़ 27 लाख रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित करवाई। बटन दबाकर लाभराशि का हस्तांतरण करने वाली तीन महिला लाभार्थियों व एक किसान लाभार्थी ने अपने इस अनुभव को यादगार बताते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की कार्यप्रणाली की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष की अनवरत राष्ट्र सेवा और इच्छाशक्ति से यह संभव हुआ है कि आज केंद्र सरकार द्वारा भिजवाए गए एक रुपये को डबल इंजन सरकार सवा रुपया करके विकास कार्यों में लगाती है जबकि कांग्रेस राज में ऐसे प्रधानमंत्री भी हुए हैं जो कहते थे कि केंद्र सरकार द्वारा भिजवाए गए एक रुपये में से जमीन तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि गरीब, किसान, महिला, युवा, बुजुर्ग तथा जरूरतमंद वर्गों को सरकारी

योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी और बिना किसी बिचौलिये के सीधे उनके बैंक खातों में मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) और परिवार पहचान पत्र आधारित व्यवस्था ने सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता को और मजबूत किया है। सरकार ने 'प्रो-एक्टिव मॉडल' को अपनाते हुए पात्र नागरिकों तक योजनाओं का लाभ स्वतः पहुंचाने की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की 12वीं किस्त जारी करवाते हुए 10 लाख 10 हजार लाभार्थी बहन-बेटियों के बैंक खातों में 212 करोड़ 16 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की। उन्होंने बताया कि अब तक इस योजना की 12 किस्तों में 2,466 करोड़ 63 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ 17 सितंबर से हो चुका है। सरकार ने योजना का दायरा बढ़ाते हुए परिवार की वार्षिक आय सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर एक लाख 80 हजार रुपये किया है। दूसरे चरण में 2 लाख 57 हजार 147 बहन-बेटियों ने अपना पंजीकरण करवाया है।

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सामूहिक प्रयासों का किया आह्वान

16 लाभार्थियों को मिले निःशुल्क कृत्रिम अंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कॉर्पोरेट घरानों, परोपकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं सहित आम नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आगे आएं और मानवीय सेवा से जुड़े प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राज्यपाल आज लोक भवन, हरियाणा में 'एक्ट ह्यूमेन' संस्था द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं। शिविर के दौरान 16 जरूरतमंद लाभार्थियों को निःशुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम

अंग प्रदान किए गए। राज्यपाल ने कहा कि समय, कौशल अथवा संसाधनों के रूप में दिया गया छोटा-सा योगदान भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि कई लोगों को अपनी क्षमताओं और दृढ़ संकल्प के बावजूद, आत्मनिर्भरता फिर से हासिल करने और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समय पर सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे में समाज का सामूहिक सहयोग न केवल उन्हें गतिशीलता प्रदान करता है, बल्कि उनके जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और नई आशा का संचार भी करता है। दिव्यांगजनों से संवाद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह शिविर केवल कृत्रिम अंग वितरित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मविश्वास, गरिमा और आशा का संचार करने की एक सार्थक पहल है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सहयोग से सभी लाभार्थी अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे तथा अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में नए उत्साह और संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे। राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण, सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक बाबरिया का निधन

राहुल गांधी-प्रियंका ने जताया शोक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रभारी और पार्टी के वरिष्ठ नेता दीपक बाबरिया का निधन हो गया। कांग्रेस सांसद और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर शोक जताया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व महासचिव दीपक बाबरिया के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका जाना कांग्रेस परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। संगठन के प्रति उनका समर्पण और पार्टी को मजबूत करने में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। इस कठिन समय में उनके परिजनों, साथियों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। दीपक बाबरिया को श्रद्धांजलि और नमन।' वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व महासचिव दीपक बाबरिया के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिजनों एवं समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दीपक जी कांग्रेस पार्टी एवं विचारधारा के प्रति समर्पित सिपाही थे। उनका जाना कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। भावभीनी श्रद्धांजलि।' एआईसीसी पंजाब के महासचिव और टोंक से विधायक सचिन पायलट ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव एवं वरिष्ठ नेता दीपक बाबरिया के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है।

विदेशी ताकतों के इशारों पर देश की शांति भंग कर रहे हैं विरोधी

● लोगों ने इन्हें हर जगह रिजेक्ट किया : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने उत्तर प्रदेश कैबिनेट द्वारा नोएडा एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट करने के प्रस्ताव को मंजूरी के बाद सपा नेता अखिलेश यादव के विरोध जताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने इस देश को इतना मान-सम्मान दिया है, सारे विश्व में आज भारत का नाम है। विज ने कहा कि पहले भारत को दब्बू देश माना जाता था, लेकिन अब अगर कोई देश कोई दुस्साहस करता है तो उसके घर में घुसकर उसे मारा जाता है। आज हर क्षेत्र में तरक्की हुई है और हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। भारत को 2047 तक विकसित करने का किसी प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है तो क्या उनके नाम से कोई एयरपोर्ट का नाम भी नहीं रखा जा सकता, जरूर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जगह-जगह नरेंद्र मोदी के नाम रखने चाहिए ताकि उनके व्यक्तित्व से आम लोग भी प्रेरणा लें। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने दिल्ली

में कॉकरोज जनता पार्टी के प्रदर्शन व विपक्ष द्वारा भी इसमें शामिल होने के प्रश्न पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि ये विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं, देश की शांति को भंग करना चाहते हैं। कानून को ये मानते नहीं, संविधान को नहीं मानते और नॉन इश्यू को इश्यू बनाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नियम तय कर रखें है कि अगर आपने जंतर-मंतर पर कोई प्रदर्शन करना हो तो यह उसको भी नहीं मानते। विरोध जताने का सभी को अधिकार है, मगर नियमों का पालन करना जरूरी है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि लोगों ने इनको हर जगह पर रिजेक्ट कर दिया है। इसी शोर-शराबे के बीच अभी उपचुनाव हुए है कहीं से भी कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीती है। लोग जानते है कि ये तमाशा कर रहे हैं।

बल्लभगढ़-पलवल मेट्रो विस्तार से खुलेंगे विकास के द्वार, केंद्र सरकार को भेजी गई अंतिम व्यवहार्यता रिपोर्ट : गौरव गौतम

● खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया आभार

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार ने बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बल्लभगढ़-पलवल मेट्रो विस्तार परियोजना की अंतिम व्यवहार्यता रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है। इसके बाद परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय को भेज दी गई है।

इस पहल से पलवल को दिल्ली-एनसीआर के मेट्रो नेटवर्क से जोडने् की उम्मीदों को बल मिला है। हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो विस्तार क्षेत्र के विकास और आधुनिक परिवहन सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

पलवल के विकास को मिलेगी नई दिशा

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि मेट्रो कनेक्टिविटी से पलवल के लोगों को दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों तक आवागमन में सुविधा मिलेगी। बेहतर परिवहन व्यवस्था से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और रोजाना यात्रा करने वाले नागरिकों को लाभ मिलेग। उन्होंने कहा कि आधुनिक परिवहन सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। मेट्रो नेटवर्क का विस्तार होने से लोगों का सफर अधिक सुविधाजनक होगा। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि प्रस्तावित योजना के अनुसार, दिल्ली मेट्रो की मौजूदा वायलेट लाइन को बल्लभगढ़ से आगे पलवल तक विस्तारित करने की परिकल्पना है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, इस कॉरिडोर की लंबाई लगभग 28 किलोमीटर और इसमें करीब 10 स्टेशनों का प्रस्ताव है। मेट्रो विस्तार से पलवल और आसपास के क्षेत्रों की दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख आर्थिक केंद्रों तक पहुंच बेहतर होने की संभावना है।

सेवा संकल्प अभियानः अंत्योदय योजनाओं से पात्र परिवारों को जोड़ रहे सेवा सेतु कैंप

गांव रोहड़ाई में सेवा सेतु कैंप के माध्यम से नागरिकों को दी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में जिला में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

इन शिविरों का उद्देश्य पात्र परिवारों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करना है। इसी कड़ी में गांव रोहड़ाई में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर नागरिकों को विभागीय सेवाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और पात्रता संबंधी जानकारी दी गई।

साथ ही, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी एवं एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि ये शिविर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अंत्योदय उत्थान की सोच को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इनका उद्देश्य जरूरतमंद और पात्र परिवारों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि शिविरों में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना, स्वरोजगार, कौशल विकास, ऋण सुविधा सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

एडीसी ने बताया कि सोमवार को कोसली में सेवा सेतु कैंप आयोजित किया जाएगा। उन्होंने पात्र नागरिकों से कैंप में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी लेने और उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत विषय पर पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी

कोसली(रेवाड़ी)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में मेरा युवा भारत, रेवाड़ी द्वारा राजकीय महाविद्यालय, कोसली में नशा मुक्त युवा, विकसित भारत विषय पर पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सतीश मस्तान, जिला संयोजक, नमो सेवा अनकही कहानियां के मार्गदर्शन में भगत फूल सिंह महिला महाविद्यालय, रीजनल सेंटर, कृष्णा नगर, नाहड़ की टीम ने नशे के विरुद्ध जागरूकता पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

पुलिस विभाग से उपनिरीक्षक अनिल कुमार एवं सहायक उपनिरीक्षक पूनम यादव ने युवाओं को जिले में नशे की वर्तमान स्थिति और इसके गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी।

मेरा युवा भारत, रेवाड़ी के जिला युवा अधिकारी सुमित यादव ने युवाओं को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत

सरकार के माय भारत पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न अवसरों, युवा गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. लाज कौशल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उन्हें नशे की ओर बढ़ते समाज को सही दिशा दिखाने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक जीवनशैली के माध्यम से ही एक स्वस्थ, सशक्त और प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव है।

प्रोफेसर संजीव कुमार ने अपने संबोधन में युवाओं को आगाह किया कि किस प्रकार नशे को 'कूल' और 'स्वैग' का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, जिससे युवा आकर्षित होकर धीरे-धीरे इसकी लत का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक आत्मविश्वास नशे में नहीं, बल्कि अच्छे स्वास्थ्य, अनुशासन, सकारात्मक सोच और आत्मनिर्भरता में निहित है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं को नशा मुक्त युवा की शपथ भी दिलवाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने, दूसरों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार, मनजीत सिंह, नागेश यादव, ओम प्रकाश, डॉ. संध्या, डॉ. निशा, डॉ. प्रीति, सोनू, साहिल, रेनू यादव, नीलम यादव, अंजली यादव एवं मोनिका यादव उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मेरा युवा भारत, रेवाड़ी से कार्यालय सहायक विनय राव, यतिन चरण, विकास पूनिया एवं सुशील भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

आमजन सप्ताह में प्रत्येक रविवार को मनाए ड्राई डे, कूलर, फ्रिज, टंकियों आदि की करें सफाई : उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

एजेंसी

पलवल। जिला में डेंगू व मलेरिया सहित अन्य मच्छर जनित बीमारियों से बचाव और रोकथाम के मद्देनजर उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जिलवासियों से सावधानी बरतने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मच्छरों से फैलने वाली इन बीमारियों से बचाव संबंधित कार्य प्राथमिकता के आधार पर करें। सावधानी और सतर्कता से ही व्यक्ति इन बीमारियों से बच सकता है। उन्होंने जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे आमजन को डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को अलर्ट रखें ताकि डेंगू व मलेरिया से संबंधित मरीज का जल्द से जल्द इलाज किया जा सके।उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि जिला नागरिक अस्पताल में डेंगू व मलेरिया की निशुल्क जांच सुविधा उपलब्ध है जिसका आमजन को लाभ उठाना चाहिए। कोई भी बुखार का मरीज नागरिक अस्पताल में पहुंचकर डेंगू व मलेरिया की जांच करा सकता है। उन्होंने बताया कि डेंगू बीमारी को लेकर आम जन की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 01275-240022 जारी किया हुआ है। बुखार होने पर निकट के स्वास्थ्य केंद्र पर रक्त की जांच एवं उपचार कराएं। स्वयं किसी भी दवा का सेवन न करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वे जिला में डेंगू व मलेरिया से बचाव व जांच के लिए लोगों को विशेष जागरूकता अभियान चलाकर जागरूक करें। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि आमजन को मलेरिया, डेंगू आदि बीमारियों से बचाव के लिए सजग व सतर्क रहना होगा। जहां भी पानी जमा हो जाता है, वहां पर मलेरिया व डेंगू फैलाने वाले मच्छर अंडे देना शुरू कर देते हैं, जिससे मच्छरों की ज्यादा बढ़ोतरी हो जाती है और बीमारी फैलने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए आमजन अपने घरों व दफ्तरों के आसपास पानी एकत्रित न होने दें, यदि पानी की निकासी की सुविधा न हो तो उसमें काला तेल या मिट्टी का तेल डाल दें। उन्होंने आमजन से सप्ताह में प्रत्येक ड्राई डे मनाने की अपील करते हुए कहा कि आमजन ड्राई डे के दिन अपने घरों में रखे कूलर, फ्रिज, पानी की टंकियों आदि की अच्छी तरह से सफाई करें।

सुजलॉन 550 करोड़ से तीन एआई आधारित 'विंड ब्लेड' कारखाने लगाएगी

चेन्नई ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सुजलॉन समूह देश में पवन ऊर्जा उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अपने विशाल ऑर्डर बुक के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए 550 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश कर रहा है। कंपनी तीन नए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पवन टर्बाइन ब्लेड (विंड ब्लेड) कारखाने स्थापित करेगी, जिससे विनिर्माण क्षमता बढ़ेगी और तेजी से ऑर्डर पूरे किए जा सकेंगे। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार, इनमें से दो संयंत्र गुजरात और कर्नाटक में, जबकि तीसरा तमिलनाडु में स्थापित किया जाएगा। कुल 550 करोड़ रुपए के निवेश में से तमिलनाडु इकाई पर 200 करोड़ रुपए और शेष 350 रुपए करोड़ गुजरात व कर्नाटक की परियोजनाओं पर खर्च होंगे। ये कारखाने 2027 तक तैयार होने की उम्मीद है और इनका वित्तपोषण कंपनी अपने आंतरिक स्रोतों से करेगी। ये नए संयंत्र स्मार्ट फैक्ट्रियों के रूप में विकसित होंगे, जहां एआई, रोबोटिक्स और डिजिटल प्रणालियों का व्यापक उपयोग होगा, जिससे उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता में सुधार आएगा। पवन ऊर्जा स्थलों के निकट होने से परिवहन भी सुधरेगा। इन इकाइयों से लगभग 3,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है, जिनमें से 80त्न ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। सुजलॉन के पास मार्च 2026 तक लगभग छह गीगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के ऑर्डर हैं, जिन्हें पूरा करने में ये कारखाने अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार भी देश में निर्मित कुशल पवन ऊर्जा उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

नए ऑर्डर और कोटक की रेटिंग अपग्रेड से केईसी इंटरनेशनल के शेयर उछले

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में भारी गिरावट झेलने के बाद केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में उछाल आया। 1,030 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिलने पर कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने इसकी रेटिंग ऐड में अपग्रेड की, हालांकि लक्ष्य मूल्य 470 से घटाकर 400 रुपये कर दिया। शुक्रवार को केईसी इंटरनेशनल का शेयर 5.67 फीसदी चढ़कर 369.70 रुपये पर बंद हुआ, हालांकि यह अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 893.95 रुपये से काफी नीचे है। कोटक के अनुसार, भारत में बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार (अगले 10 वर्षों में 7.9 लाख करोड़ निवेश संभावित) और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से कंपनी को लाभ होगा। ब्रोकरेज ने केबल और वायर कारोबार (अगले 3-4 वर्षों में 5,000 करोड़ राजस्व अनुमानित) तथा पश्चिमी एशियाई बाजारों में भी नए प्रोजेक्ट की उम्मीद जताई है। हालांकि, भुगतान में देरी, बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि` वित्त वर्ष 27-28 की पहली छमाही तक मुनाफे पर दबाव रह सकता है। नए ऑर्डर से उम्मीदें बढ़ी हैं, लेकिन शेयर में आगे की तेजी कंपनी की वास्तविक कमाई और मुनाफे में सुधार पर ही निर्भर करेगी।

एच-1बी विवाद पर माइक्रोसाफ्ट बोला- 80 फीसदी आवेदन मौजूदा कर्मचा रियों के लिए

ट्रंप-युग की पाबंदियों के बीच कंपनी ने वीजा नीति पर दी सफाई, आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन ।

अमेरिकी प्रशासन द्वारा दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ग्रीन कार्ड प्रायोजित करने की क्षमता पर रोक लगाने के बाद, कंपनी ने अपनी एच-1बी वीजा नीति का जोरदार बचाव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत एच-1बी आवेदन नए कर्मचारियों की भर्ती के बजाय पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति को बदलने या बढ़ाने के लिए थे। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसके 6,000 एच-1बी आवेदनों में से लगभग 80 प्रतिशत पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति बदलने के लिए थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती के लिए। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, शेष आवेदन अमेरिका में पहले से कानूनी तौर पर रह रहे लोगों के लिए थे, जो कंपनी में शामिल हुए। ये आवेदन उसके अमेरिकी कार्यबल के लगभग एक प्रतिशत से संबंधित थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने कम वेतन के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि एच-1बी कर्मचारियों को समान काम के लिए बराबर वेतन दिया जाता है। यह सफाई तब आई जब ट्रंप प्रशासन ने रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रायोजन पर रोक लगाई। कंपनी ने अमेरिकी कार्यबल पर भरोसा जताते हुए प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी देने की पेशकश की है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने प्रतिबंध के कानूनी आधार, अवधि और प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत टूटा निफ्टी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

मुंबई।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफतार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस कमजोरी की प्रमुख वजहें बाहरी कारक रहे, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, रुपए में कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया।

सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इंफोसिस, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल रहे। इन सभी में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयरों में 22 से 29 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। कुल मिलाकर निफ्टी के लगभग 20 शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही।

हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम फाइनेंस टॉप गेनर रहा और इस दौरान उसके शेयर में करीब 49 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसी दौरान टाइटन कंपनी, अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 21 से 27 प्रतिशत तक चढ़े। वहीं नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एक्सिस बैंक ने भी 10 प्रतिशत से अधिक का सकारात्मक रिटर्न दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि निकट भविष्य में बाजार सीमित दायरे में रह सकता है।

निवेशकों की नजर अभी भी कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है। हालांकि दूसरी तिमाही के कॉरपोरेट नतीजों के मजबूत रहने की उम्मीद है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक मैक्रो-आर्थिक चिंताएं किसी भी बड़ी और स्थायी तेजी को सीमित कर सकती हैं।

टाटा मोटर्स ने इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की बोली बढ़ाई

- अब 3.91 अरब यूरो तक पहुंच सकती है कीमत

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इटली की कमर्शियल व्हीकल निर्माता इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए अपनी पेशकश को और बढ़ा दिया है। नियामक मंजूरियों में हो रही देरी को देखते हुए कंपनी ने प्रति शेयर ऑफर प्राइस में 0.30 यूरो का इजाफा किया है। इसके बाद अब नया ऑफर प्राइस 14.40 यूरो प्रति शेयर हो गया है। अगर सभी शेयरधारक इस संशोधित ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो इस सौदे की कुल कीमत बढ़कर लगभग 3.91 बिलियन यूरो (लगभग 39,100 करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है। पहले टाटा मोटर्स ने 14.10 यूरो प्रति शेयर का ऑफर दिया था। टाटा मोटर्स अपनी सब्सिडियरी टीएमएल सीवी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए यह अधिग्रहण कर रही है। कंपनी ने 2025 में इवेको के डिफेंस कारोबार को छोड़कर बाकी पूरे बिजनेस को खरीदने की योजना बनाई थी, जिसकी अनुमानित कीमत पहले लगभग 3.8 बिलियन यूरो थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि नियामक मंजूरियों में लगने वाले अधिक समय के कारण उसने यह फैसला लिया है। हालांकि, टाटा मोटर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अब इस कीमत में कोई और बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह नया ऑफर 17 जुलाई 2025 को इवेको के शेयर भाव से 33.47 फीसदी और 29 जुलाई 2025 को डील के आधिकारिक ऐलान से ठीक पहले के भाव से 6.77 फीसदी ज्यादा है।

अयोध्या के श्री राम मंदिर को 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' का प्रमाण पत्र

मंदिर परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुपालन पर मुहर, दो साल तक रहेगा मान्य

नई दिल्ली ।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रतिष्ठित ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप प्रमाण पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान मंदिर परिसर में प्रसाद व अन्य खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं वितरण में उच्च खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के सख्त अनुपालन के लिए दिया गया है। यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र 11 अक्टूबर, 2026 से 10 अक्टूबर, 2028 तक दो साल की अवधि के लिए मान्य होगा। शनिवार को अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह में एफएसएसएआई के एक अधिकारी ने यह प्रमाणपत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा था। इसकी जानकारी एफएसएसएआई ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी।

एफएसएसएआई की ईट राइट प्लेसेज ऑफ वर्शिप पहल ईट राइट इंडिया अभियान का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद या भोजन मिल सके। यह पहल धार्मिक संस्थानों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, अनियमितताओं को रोकने और संबंधित नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। माणपत्र जारी करने से पहले एफएसएसएआई एक विस्तृत ऑडिट प्रक्रिया अपनाता है, जिसमें प्रारंभिक ऑडिट, संबंधित संस्थान को प्रशिक्षण और फिर तृतीय-पक्ष एजेंसियों द्वारा अंतिम ऑडिट शामिल है।

एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली का आंकड़ा तीन लाख करोड़ के पार

सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा, जिससे चालू वर्ष में उनकी कुल निकासी 3.04 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 44,166 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड पर बढ़ते प्रतिफल जैसे वैश्विक कारकों को इस निकासी का मुख्य कारण माना जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, जुलाई और अगस्त के महीनों में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ और 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जो मौजूदा बिकवाली के उलट एक राहत भरी तस्वीर थी। इस वर्ष अब तक हुई 3.04 लाख करोड़ रुपये की कुल निकासी पिछले पूरे वर्ष 2025 की 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली के मुकाबले काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार से विदेशी पूंजी के लगातार पलायन को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बिकवाली को भारत की निवेश क्षमता पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझा जाना चाहिए। बाजार के जानकारों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी

बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल निवेशकों को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित कर रहे हैं।

उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी तेजी भी विदेशी पूंजी को अपनी ओर खींच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भारी बिकवाली के कारण ही चालू वर्ष में निफ्टी में 13.87 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की प्रमुख वजह रही है।

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध बिकवाली की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका रुझान फिलहाल भारतीय संपत्तियों से दूर बना हुआ है।

अदाणी डिफेंस को उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन पुरस्कार

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) का प्रतिष्ठित चैंपियन अवॉर्ड-2026 प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में राजधानी में एसआईडीएम के आठवें वार्षिक सत्र में यह सम्मान दिया। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को उसके उल्लेखनीय निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन अवॉर्ड-2026 से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कंपनी के भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर ले जाने के प्रयासों को मान्यता देता है। कंपनी उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण परिसर में छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का उत्पादन करती है। इस सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता 30 करोड़

राउंड है, जिसमें स्वचालित तकनीक, एआई आधारित गुणवत्ता जांच और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि यह सम्मान भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

भारत में एआई शिक्षा व बच्चों की सुरक्षा पर डब्ल्यूईएफ का जोर

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक एआई विशेषज्ञ ने भारत में शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम मेधा (एआई) साक्षरता को एकीकृत करने और बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया है। उन्होंने आगाह किया कि जहां एआई बच्चों के लिए नए अवसर पैदा करता है, वहीं हानिकारक सामग्री और निजता के उल्लंघन जैसे गंभीर जोखिम भी लाता है। उन्होंने भारत की विविधता के अनुरूप स्थानीय भाषाओं और डिजिटल साक्षरता पर आधारित एआई सुरक्षा उपायों की वकालत की। उन्होंने एआई साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने और बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली एआई प्रणालियों में अनिवार्य सुरक्षा आकलन का सुझाव दिया। उन्होंने माडल परीक्षण में बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की भागीदारी पर जोर दिया, साथ ही बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को सरकारी प्रोत्साहन देने की बात कही। उनके अनुसार, सुरक्षा और नवोन्मेषण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक लक्ष्य हैं। उन्होंने बच्चों की उम्र और विकास के अनुकूल मजबूत डिफ़ॉल्ट सुरक्षा उपायों, सरल निजता सेटिंग्स और अभिभावकीय नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

लागत के बढ़ते बोझ से प्रभावित हो सकता है एफएमसीजी का परिचालन मुनाफा

सितंबर तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत और ग्रामीण मांग में कमी से परिचालन मार्जिन पर असर

नई दिल्ली ।

सितंबर तिमाही में देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ग्रामीण मांग में संभावित सुस्ती के कारण उनके परिचालन मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है।

ब्रोकरेज रिपोर्टों के अनुसार, कच्चे तेल और अन्य प्रमुख जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी ने एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ाई है।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट बताती है कि कम बारिश से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित होने की आशंका है, जो मुनाफे पर असर डाल सकती है।

खाद्य महंगाई आगे चलकर शहरी मांग को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे कंपनियों के ऐ बिटा मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। डाबर इंडिया और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों ने लागत वृद्धि से मार्जिन पर दबाव स्वीकार किया है, हालांकि वे मजबूत राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

डाबर ने लागत बचत और चरणबद्ध मूल्य वृद्धि से प्रभाव कम करने की बात कही है। वहीं, मैरिको ने खोपरा की कीमतों में कमी और अनुकूल उत्पाद मिश्रण के चलते बेहतर सकल मार्जिन का अनुमान लगाया है, जो बढ़ती लागत के प्रभाव को कुछ हद तक कम करेगा।

कुल मिलाकर, यह तिमाही एफएमसीजी कंपनियों के लिए राजस्व वृद्धि और मुनाफे में धीमी वृद्धि का मिला-जुला दौर साबित हो सकती है, जहां लागत नियंत्रण और उपभोक्ता मांग महत्वपूर्ण कारक होंगे।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने लॉन्च किया कलर-कोटेड इस्पात

800 करोड़ की बोकारो विस्तार योजना का हिस्सा, घरेलू मांग व पीएलआई प्रोत्साहन से मिली ताकत

नई दिल्ली ।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने घरेलू बाजार में विशेष इस्पात की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए बोकारो में कलर-कोटेड इस्पात का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह नई उत्पादन लाइन कंपनी की 800 करोड़ रुपये की विस्तार योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया` कि यह उत्पाद बुनियादी ढांचे, वाहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केंद्र की पीएलआई योजना के तहत स्थापित है, जिससे मूल्यवर्धित इस्पात में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी। कलर-कोटेड इस्पात अपनी बेहतर जंग प्रतिरोधक क्षमता के कारण कई उद्योगों के लिए उपयोगी है। अब तक इस्पात कॉइल, शीट, पाइप व टीएमटी सरिया बनाती रही बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज के लिए यह लाइन नए डाउनस्ट्रीम इस्पात परिसर का पहला चरण है। 5 लाख टन क्षमता वाले इस परिसर में भविष्य में कोटेड स्टील की अतिरिक्त लाइनें भी लगेंगी। कंपनी फिलहाल घरेलू बाजार पर केंद्रित है, पर भविष्य में

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी प्रवेश पर विचार करेगी। ऊर्जा आपूर्ति हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पीएनजी आपूर्ति के लिए भी साझेदारी की गई है।

कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

एस बॉन्ड यील्ड और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों और देश के प्रमुख महंगाई आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा तय करने में ये घरेलू संकेतक अहम भूमिका निभाएंगे। अगले सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो जैसी आईटी दिग्गज, साथ ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे वित्तीय क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इन नतीजों से न केवल संबंधित कंपनियों के शेयरों की चाल तय होगी, बल्कि यह पूरे सेक्टर और समग्र बाजार की निवेश धारणा को भी प्रभावित करेगा।

तिमाही नतीजों के साथ, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और आगामी ब्याज दरों के फैसलों पर सीधा असर डाल सकते हैं, जिससे निवेशकों की उम्मीदें प्रभावित होंगी। घरेलू मोर्चे के अलावा, वैश्विक परिस्थितियां भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से 3 लाख टन से अधिक डीजल की तत्काल आपूर्ति (जिसमें नवंबर में 5 लाख टन और उसके बाद 10 लाख टन अतिरिक्त शामिल है) की घोषणा कुछ हद तक ऊर्जा बाजार को स्थिरता प्रदान कर सकती है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बना रहना वैश्विक पूंजी प्रवाह और उभरते बाजारों पर दबाव बनाए रख सकता है।

नेटफ्लिक्स में फिर छंटनी की आशंका, सैकड़ों कर्मचारियों पर लटकी तलवार

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी अगले सप्ताह कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली ।

वीडियो स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंपनी अगले सप्ताह की शुरुआत में अपने लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। यह कदम वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जारी व्यापक छंटनी के रुझान के बीच आया है, जहां कंपनियां परिचालन लागत और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी से कंपनी के मौजूदा कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। वर्ष 2025 के अंत तक नेटफ्लिक्स में लगभग 16,000 कर्मचारी कार्यरत थे, ऐसे में 5 प्रतिशत की कटौती का अर्थ सैकड़ों लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। हालांकि, नेटफ्लिक्स ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कंपनी में इससे पहले वर्ष 2022 में भी बड़े स्तर पर छंटनी हुई थी, जब कारोबार की धीमी वृद्धि और ग्राहकों की संख्या में गिरावट के कारण सैकड़ों कर्मचारियों को हटाया गया था। यह संभावित फैसला स्ट्रीमिंग उद्योग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच आया है। गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब लगातार दर्शकों और विज्ञापन से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा, कई मीडिया कंपनियां अपने कारोबार को मजबूत करने के लिए विलय और एकीकरण जैसे कदम उठा रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, नेटफ्लिक्स ने पारंपरिक सदस्यता आधारित कारोबार से आगे बढ़कर विज्ञापन, लाइव कार्यक्रमों और गेमिंग जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार किया है। हालांकि, इन नई गतिविधियों के बावजूद कंपनी के सामने परिचालन लागत और कड़ी प्रतिस्पर्धा से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियों में कटौती के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है।

चेन्नई से दौड़ेगी विकास की मिलेगी रफ्तार

विनोद सिंह 'तकियावाला'

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से तमिलनाडु के विकास, औद्योगिक विस्तार और आधुनिक कनेक्टिविटी को मिलेगी नई दिशा... भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री व्यापार,औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं में दक्षिण भारत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।आज का यह दिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई इन सभी विशेषताओं का संगम है। जहाँ एक ओर बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह महानगर समुद्री व्यापार और उद्योग का प्रमुख केंद्र है,तो दूसरी ओर वाहन निर्माण,सूचना प्रौद्योगिकी,उच्च शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है तेजी से बढ़ती आबादी, शहरीकरण और औद्योगिक गतिविधियों के बीच चेन्नई की भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 अक्टूबर 2026 को चेन्नई दौरा महत्वपूर्ण रहा। पी एम नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन,शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया गया।प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार,ये परियोजनाएं मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे,बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।इनका उद्देश्य परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ व्यापार,उद्योग,क्षेत्रीय संपर्क और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।चेन्नई में विकास की इस नई पहल को केवल कुछ परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए।यह समझना भी आवश्यक है कि आधुनिक परिवहन, मजबूत औद्योगिक ढांचा,समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।इन क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं विकसित होने से रोजगार,निवेश और आर्थिक गतिविधियों के लिए नए अवसर तैयार हो सकते हैं।

मेट्रो रेल से महानगर को नई गति -प्रधानमंत्री के चेन्नई दौरे की प्रमुख उपलब्धियों में चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पूनामल्ली-वड़ापलनी खंड का उद्घाटन शामिल रहा।लगभग 4,900 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खंड में 3.7 किलो मीटर लंबी दोहरी संरचना विशेष आकर्षण है।इसमें उन्नत संकेत प्रणाली का उपयोग किया गया है,जिसे चालक रहित रेल परिचालन के अनुकूल बनाया गया है।

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

चेन्नई की मेट्रो परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसमें सीमित शहरी भूमि का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए दोहरी संरचना विकसित की गई है। हॉलांकि,किसी भी सार्वजनिक परिवहन परियोजना की वास्तविक सफलता यात्रियों की संख्या,नियमित परिचालन, स्टेशन तक पहुंच और सेवाओं की गुणवत्ता से तय होती है। इसलिए निर्माण के साथ यात्रियों की सुविधा और परिचालन की दक्षता पर भी निरंतर ध्यान देना आवश्यक होगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों से मजबूत होगा क्षेत्रीय संपर्क - तमिलनाडु में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,700 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया।प्रधान मंत्री कार्यालय के अनुसार, इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744 पर वड़ुगपट्टी-थेकुवेंगनल्लूर के बीच 36 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744ए पर मदुरै रिंग रोड के 30 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड का उद्घाटन शामिल है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर तिरुवारूर बाईपास के निर्माण की आधारशिला रखी गई।इन परियोजनाओं का सीधा संबंध यात्रियों की सुविधा और माल परिवहन की गति से है।मदुरै जैसे महत्वपूर्ण शहरों में बेहतर बाईपास और राजमार्ग संपर्क से भारी वाहनों को शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की आवश्यकता कम हो सकती है।इससे जाम में राहत मिलने और यात्रा समय घटने की संभावना है।राजमार्गों का विकास तीर्थस्थलों, औद्योगिक केंद्रों और व्यापारिक क्षेत्रों के बीच संपर्क को भी मजबूत करता है।किसानों के उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार वस्तुओं के परिवहन में बेहतर सड़क नेटवर्क सहायक होता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी विकसित हो सकते हैं।रेलवे आधुनिकीकरण से यात्रियों को सुविधा - भारतीय रेलवे देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है।चेन्नई कार्यक्रम के अंतर्गत 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया और उनका उद्घाटन किया गया। इनमें कराईकलझपेरलम रेल लाइन, कोयंबटूर और आसपास के क्षेत्रों में तीन रेल ओवरब्रिज तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित पांच रेलवे स्टेशन शामिल हैं।इन स्टेशनों में पलानी,वेल्लोर कैंटोनमेंट, अंबासमुद्रम, परमाकुडी और नामक्कल प्रमुख हैं।

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण केवल भवनों के सौंदर्यीकरण का विषय नहीं है।इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और अधिक व्यवस्थित स्टेशन परिसर उपलब्ध कराना भी है।छोटे शहरों और धार्मिक स्थलों के रेलवे स्टेशनों का विकास स्थानीय पर्यटन तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है।

कोयंबटूर क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज का निर्माण सड़क और रेल यातायात के बीच होने वाले व्यवधान को कम करने में सहायक होगा। व्यस्त रेल क्रॉसिंग पर वाहनों के रुकने से समय की बर्बादी होती है और कई बार दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है।बेहतर रेल अवसंरचना इन समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

बंदरगाहों से समुद्री अर्थव्यवस्था को विस्तार - तमिलनाडु की भौगोलिक स्थिति उसे समुद्री व्यापार के क्षेत्र में विशेष महत्व प्रदान करती है।चेन्नई बंदरगाह, कामराजर बंदरगाह और वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह राज्य की औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख आधार हैं।इनकी क्षमता बढ़ाना देश के आयात-निर्यात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।चेन्नई बंदरगाह पर चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।इनमें पक्का भंडारण क्षेत्र, चार निर्यात-आयात गोदाम, आधुनिक क्रूज टर्मिनल और नाविकों के लिए क्लब शामिल हैं। इन सुविधाओं से माल के भंडारण और प्रबंधन में सुधार के साथ क्रूज यात्रियों तथा समुद्री कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर आठ प्रमुख विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।इनका उद्देश्य माल एवं कंटेनर प्रबंधन की क्षमता का विस्तार, स्वच्छ समुद्री ऊर्जा के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास और बंदरगाह परिसर में माल की आवाजाही को अधिक प्रभावी बनाना है।

कामराजर बंदरगाह पर कोयला बर्थ संख्या तीन का उद्घाटन किया गया।इसके साथ ही कंटेनर टर्मिनल के पहले चरण के दूसरे हिस्से से संबंधित पूंजीगत ड्रेजिंग कार्य की आधारशिला रखी गई।

बंदरगाहों की दक्षता बढ़ने से माल को जहाजों से उतारने,भंडारित करने और आगे परिवहन करने में लगने वाला समय कम किया जा सकता है।इससे उद्योगों की लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।समुद्री व्यापार का विस्तार स्थानीय रोजगार और संबंधित सेवाओं के विकास में भी योगदान दे सकता है।

पेट्रोलियम क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन -चेन्नई के मनाली स्थित चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में लगभग 1,620 करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रुप-द्वितीय एवं ग्रुप-तृतीय ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स परियोजना की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, इसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 2.70 लाख मीट्रिक टन है। इस परियोजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले स्नेहक तैयार करने के लिए आवश्यक आधारभूत तेल का उत्पादन किया जाएगा। ऐसे स्नेहकों का उपयोग वाहन उद्योग, मशीनों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में होता है।

घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ने से भारत के औद्योगिक क्षेत्र को आवश्यक सामग्री की उपलब्धता मजबूत करने में मदद मिल सकती है।यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में मूल्य संवर्धन और तकनीकी क्षमताओं के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हालांकि,इसके वास्तविक आर्थिक लाभ उत्पादन शुरू होने, बाजार की मांग और उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति पर निर्भर करेंगे।

आईआईटी मद्रास में विज्ञान को नई संभावनाएँ -चेन्नई की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैज्ञानिक अनुसंधान भी है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी मद्रास स्थित सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया।इसके साथ मानव मस्तिष्क का विस्तृत अध्ययन करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल भी शुरू की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार,इस अभियान का लक्ष्य भ्रूण अवस्था से वृद्धावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों के त्रिआयामी एटलस तैयार करना है। यह अध्ययन कोशिकीय स्तर पर मस्तिष्क की संरचना को समझने में सहायता करेगा।

इस अवसर पर सी-स्ट्रोक नामक मानव इस्कीमिक स्ट्रोक एटलस भी जारी किया गया। इसमें स्ट्रोक से प्रभावित मस्तिष्क के एक हजार से अधिक चिह्नित सूक्ष्म ऊतक खंड शामिल हैं। इससे दुनिया भर के शोधकर्ताओं को मस्तिष्काघात से संबंधित नए उपचार लक्ष्यों की पहचान करने में सहायता मिल सकती है।

यह पहल इस बात का उदाहरण है कि विकास का अर्थ केवल सड़क, रेल और औद्योगिक ढांचे का निर्माण नहीं है।वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक तकनीक में निवेश भी देश की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक है।

विकास का लाभ आम नागरिक तक पहुँचे - चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का यह कार्यक्रम परिवहन,उद्योग, समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान को एक साथ आगे बढ़ाने की व्यापक पहल के रूप में देखा जा सकता है। मेट्रो रेल शहरी आवागमन को बेहतर बनाने में सहायक है, राजमार्ग क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करते हैं,रेलवे यात्रियों और व्यापार को सुविधा देता है तथा बंदरगाह देश को वैश्विक बाजारों से जोड़ते हैं।दूसरी ओर, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी परियोजनाएं घरेलू उत्पादन तथा तकनीकी क्षमताओं के विस्तार की संभावनाएं खोलती हैं।फिर भी, विकास की वास्तविक कसौटी केवल परियोजनाओं की लागत या उद्घाटन की संख्या नहीं होती। निर्धारित समय में निर्माण पूरा करना, गुणवत्ता बनाए रखना, सार्वजनिक धन का उचित उपयोग और आम लोगों तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है।शहरी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित यातायात और समावेशी सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक है।चेन्नई की इन परियोजनाओं का प्रभाव तमिलनाडु की सीमाओं से आगे भी दिखाई दे सकता है, क्योंकि दक्षिण भारत का औद्योगिक और समुद्री नेटवर्क राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा है।बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और निवेश को अवसर मिल सकते हैं तथा आधुनिक अनुसंधान से भारत की वैज्ञानिक क्षमता मजबूत हो सकती है।

अब इन परियोजनाओं की सफलता इस बात से निर्धारित होगी कि वे कितनी प्रभावी ढंग से धरातल पर उतरती हैं और नागरिकों के दैनिक जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाती हैं।विकास की सार्थकता तभी है,जब आधुनिक अवसंरचना के साथ रोजगार, सुविधा,सुरक्षा और आर्थिक अवसरों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचे।

संपादकीय

पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

एंटी हेलगन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होंगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुंडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्वार्थी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है।इस मामले में भी गरजती हेलगन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी।इस तरह कहीं की आहृता कहीं पहुंच गई। बहरहाल आपदा के दुष्चक्र की निशानी में हेलगन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलगन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पोंछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने बादलों के सिर मूंड कर कहीं ओले बरसा दिए। विज्ञान के सामने प्रकृति का पारंपरिक स्वभाव अगर विचलित होता है, तो एक फसल बचाते-बचाते हम कई अन्य उजाड़ देंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में बागबानी विश्वविद्यालय को अपने अनुसंधान के तर्क में आगे बढ़? की राह खोजनी होगी। हिमाचल में विकास के हर पहलू का असर पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। यह शहरीकरण, परिवहन, पर्यटन तथा आवासीय बस्तियों के विस्तार में दर्ज हो रहा है। हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण का मुखालत्व जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुर्खियां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बता दिया कि इस क्षेत्र के नुक्ते गैर कानूनी है।

पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनें बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही रोकनी होगी। खैर रेरा की फाइलों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अख्तियार किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुहृढ़ कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमुडा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुरक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कर्कट प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब से बहती नदियों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जेसीबी मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बढ़ती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विश्लेषण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रियूंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशाई नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खाके नहीं बनाए।

यतायात के लिए साइकिल एक उत्तम दुपहिया वाहन

संजय गोस्वामी

आज खाड़ी देशों में अमेरिका ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्र में कच्चे तेल के आवाजाही अवरुद्ध होने के कारण पेट्रोल डीजल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है 7 महीने से युद्धके चलते इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इसलिए अब दुपहिया या मोटर कार में चलना मुश्किल हो सकता है इसलिए, आज ही साइकिल को इस्तेमाल करना शुरू कर दे ऐ कई बार राजनेताओ ने भी शिरकत की थी दरअसल साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बूढ़ा व्यक्ति सभी चला सकते है।आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरों की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल में खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मार्सिले तक 800 किलोमीटर (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विज़िटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नजारा बन गया था, और काफी ज्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाजत देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को ह्वाईनशेकर्स्ड का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर ह्वाईऑर्डिनरीह नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैन्युफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वजन आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18कि.ग्रा.) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वजन 16 पाउंड (7कि.ग्रा.) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफ़ास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इससे रोलिंग रेज़िस्टेंस बहुत कम हो गया और साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रैंक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वजन सिर्फ.25 से 35 पाउंड (11 से 16कि.ग्रा.) था। स्टैंडर्ड डिजाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैंकरप्सी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरुआती मास ट्रांज़िट सिस्टम की तेजी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया–खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिजाइन और पार्ट्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिजाइन लगभग वैसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियरिंग था। 1896 में विलियम रेली को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्मी-आर्चर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चेन को एक स्प्रोकेट से दूसरे स्प्रोकेट तक ले जाने वाले डिरेलियर गियर बन गए थे। विकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गई, और कई साइकिल कंपनियाँ दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवानी कंपनियाँ बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्जा कर लिया।साइकिलिंग में अगली वापसी तथाकथित माउंटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेंटर्स ने इसे ह्क्लंकरह कहा था, माउंटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफ़ोर्निया में डेवलप की गई। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में सेफ्टी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। माउंटेन बाइक डेवलप्ड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। टूरिंग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़गी और स्वस्थ रहेंगे।

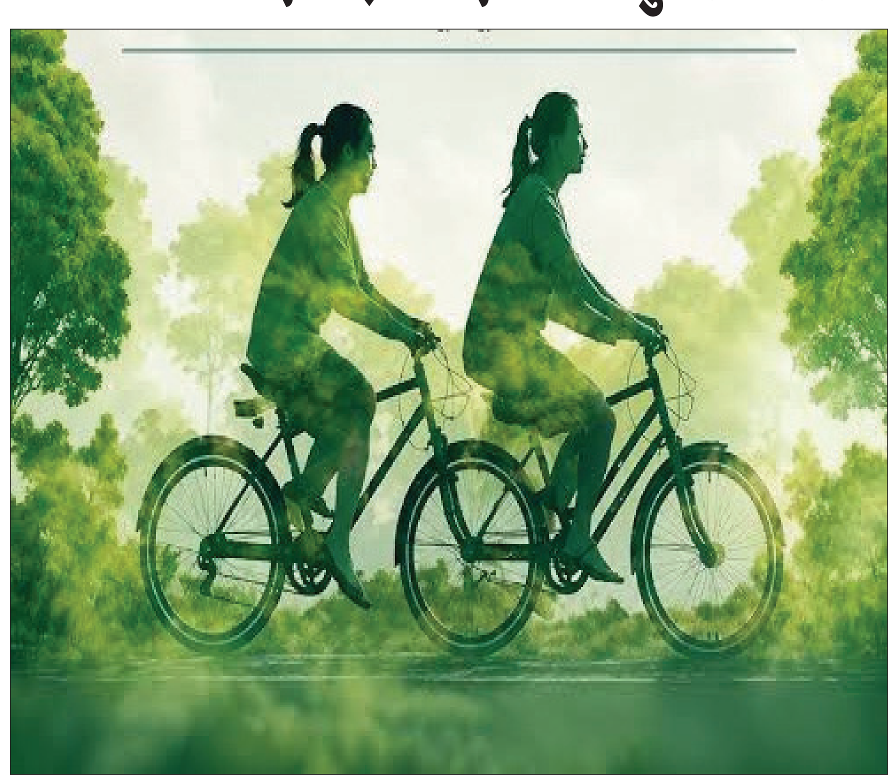

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में इसाईस तूफान से भारी तबाही की आशंका, फ्लोरिडा-अलबामा संवेदनशील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान इसाईस तेजी से मजबूत हो रहा है। फ्लोरिडा और अलबामा तट की ओर बढ़ रहा यह तूफान श्रेणी 3 का है। तूफान शुक्रवार रात तक (स्थानीय समय) लैंडफॉल कर सकता है। देश के नेशनल हरिकेन सेंटर ने समुद्र में 6 से 9 फीट ऊंचे तूफान के उछाल की चेतावनी दी है। तेज हवाएं, बाढ़ और बवंडर भी आ सकते हैं। घरों की सुरक्षा के लिए निवासियों ने जनरेटर तैयार किए। उन्होंने बाथटब में पानी भरा और रेत की बोरियां भी भरीं। फ्लोरिडा के राज्यपाल रॉन डि-सैंटिस ने बिजली कटौती और गैस की कमी की आशंका जताई। तूफान 193 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

फ्रांस में भारतीय युवक को 20 साल की सजा

पेरिस , एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने 29 वर्षीय भारतीय रोहन राणे को लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल समूह का नेतृत्व करने के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई। राणे ने डिस्कॉर्ड पर यह समूह बनाया था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी और न्यूजीलैंड के युवक शामिल थे। जांच में 20 से अधिक पीड़िताएं मिलीं, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं। पेरिस, एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय युवक को 20 साल की जेल की सजा सुनाई। उस पर पुरुषों के एक ऐसे समूह के नेतृत्व का दोषसिद्ध हुआ है, जो नाबालिगों समेत कई लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल था। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय रोहन राणे ने सोशल मीडिया मंच 'डिस्कॉर्ड' पर एक समूह बनाया था। इसमें अमेरिका, जर्मनी, न्यूजीलैंड के कई युवा शामिल थे। सरकारी वकील के अनुसार, इस समूह में शामिल पुरुष लड़कियों को झांसे में लेकर फंसाते थे। बाद में उनके साथ हिंसा और यौन गतिविधियों के लिए मजबूर किया जाता था। इस गिरोह का खुलासा तब हुआ, जब कुछ समय पहले छह युवतियों ने आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में 20 से अधिक पीड़िताओं की जानकारी मिली, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं।

अमेरिका: ट्रंप ने केटी जकारिया को चुना व्हाइट हाउस का अगला प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट की लेंगी जगह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी मीडिया कंपनी की संचार सलाहकार केटी जकारिया व्हाइट हाउस की अगली प्रेस सचिव होंगी। वह कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जकारिया के नाम का ऐलान किया। वह अक्सर इस मंच पर राजनीतिक और आधिकारिक घोषणाएं करते हैं। जकारिया, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के लिए रूढ़िवादी विचारों वाली टिप्पणीकार हैं। यही कंपनी सोशल मीडिया साइट का संचालन करती है। जकारिया को इस पद के लिए चुनते हुए ट्रंप ने उन्हें 'शुरुआत से ही एक वफादार और प्रतिभाशाली समर्थक' बताया। जकारिया ने इस साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता के रूप में काम किया था। वह फॉक्स न्यूज और न्यूजमैक्स के लिए भी टिप्पणीकार रही हैं। ट्रंप ने कहा कि जकारिया उनके राष्ट्रपति चुनाव अभियानों से जुड़ी रही हैं। खास तौर पर उन राज्यों में, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा था। जकारिया से इस बारे में प्रतिक्रिया मांगी गई थी, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। लिंक्डइन पर मौजूद उनकी प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की है। कैरोलिन लेविट ने 12 अगस्त को पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने 27 अगस्त को यह पद छोड़ दिया। फॉक्स न्यूज नेटवर्क ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से फॉक्स न्यूज चैनल पर कार्यक्रमों में योगदान देने वाली विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगी। लेविट जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनी थीं। उन्होंने बताया था कि वह अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह पद छोड़ रही हैं। व्हाइट हाउस में काम करने से पहले लेविट, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में ट्रंप की राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं।

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नॉर्वे की नोबेल कमेटी पर तीखा हमला बोला है. दक्षिण अफ्रीकी मूल की भारतीय न्यायविद् नवी पिल्लई को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाने पर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई है. उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर के कई बड़े युद्धों और विवादों को सुलझाने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका के लिए असल में वह खुद इस सम्मान के हकदार थे.

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक बेहद लंबी पोस्ट शेयर कर नोबेल कमेटी के फैसले पर सवाल उठाए. उन्होंने नवी पिल्लई की योग्यताओं को खारिज करते हुए उन पर इजरायल-विरोधी होने का आरोप लगाया. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में दुनिया के आठ बड़े युद्धों को शांत कराया है, इसलिए उन्हें एक नहीं बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे. 'इस महिला को कोई नहीं जानता, यह नॉर्वे पर एक बदनुमा दाग 'अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा, 'यह उस महिला को महान संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर चुनकर नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है, जिसके प्रतिनिधि यानी 'मैंने' 8 युद्धों और कई अन्य मामलों को सुलझाया. मैं इस महिला के बारे में कुछ नहीं जानता और न ही कोई और जानता है!' ट्रंप ने आगे कहा, 'सच तो यह है कि मेरी जानकारी के मुताबिक, कोई भी उनके बारे में इसके अलावा कुछ नहीं जानता कि वह बहुत साफ तौर पर इजरायल से नफरत करती हैं.' ट्रंप ने नोबेल कमेटी की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को मेरे जरिए यह पुरस्कार मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. यह नॉर्वे पर एक ऐसा बदनुमा और अमिट दाग है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल शांति पुरस्कार को कुछ मुट्ठी भर कट्टरपंथी विचारकों ने हमेशा के लिए बदनाम कर दिया है, जो लोकतंत्र के विरोधी और सभ्यता के दुश्मन हैं. ट्रंप ने गिनाए वो '8 युद्ध' जिन्हें सुलझाने का किया दावा डोनाल्ड ट्रंप ने उन 8 अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की पूरी सूची भी साझा की, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह शांत कराने का दावा किया है. ट्रंप के मुताबिक, इन देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने खुद नॉर्वे की नोबेल कमेटी को पत्र भेजकर उनके योगदान की तारीफ की थी. ट्रंप द्वारा गिनाए गए 8 विवाद इस प्रकार हैं: कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अज़रबैजान, इजरायल और हमास ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल में सभी बंधकों को वापस लाया, जिसमें जीवित और मृत दोनों मिलाकर आखिरी 28 बंधक शामिल थे, और ऐसा करने के लिए उन्होंने सीधे हमास के साथ काम किया. उन्होंने कहा कि दो और बड़े मोर्चों–ईरान और रूस-यूक्रेन विवाद को भी वह बहुत जल्द सुलझाने या जीतने वाले हैं. इसके साथ ही उन्होंने उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और ताइवान के क्षेत्रों में भी तनाव को रोकने का श्रेय लिया. ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जिन युद्धों को मैंने सुलझाया, उनमें कभी संयुक्त राष्ट्र से बात नहीं की, क्योंकि वे किसी काम के नहीं थे. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने किया ट्रंप का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति के इस गुस्से के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुला समर्थन किया है. शहबाज शरीफ ने दोहराया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आधिकारिक तौर पर उनका नाम नामांकित किया था. पाकिस्तानी पीएम ने उम्मीद जताई कि शांति को बढ़ावा देने के ट्रंप के इन प्रयासों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी. भारत ने ट्रंप के दावों को किया खारिज एक तरफ जहां ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को सुलझाने का श्रेय ले रहे हैं, वहीं नई दिल्ली (भारत) ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है. भारत ने हमेशा की तरह साफ किया है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में किसी भी बाहरी मध्यस्थता की कोई भूमिका नहीं थी. भारतीय अधिकारियों के अनुसार, यह सीजफायर पूरी तरह से द्विपक्षीय (दोनों देशों के बीच) बातचीत का नतीजा था. पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था. भारतीय सेना के इस कड़े एक्शन के बाद, जब पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के लॉन्च पैड पूरी तरह ध्वस्त हो गए।

यूएन में भारतीय नारी शक्ति: सांसद ने पाकिस्तान को दिखाया आईना; प्रिया सरोज बोलीं- अपराध पर जीरो टॉलरेंस

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत की दो महिला सांसदों ने अलग-अलग मुद्दों पर देश का पक्ष रखा। महिमा कुमारी मेवाड़ ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के बयान का जवाब दिया, जबकि प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों के आपराधिक आचरण और जवाबदेही का मुद्दा उठाया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों सांसदों के बयानों की जानकारी साझा की।

महिमा कुमारी ने पाकिस्तान पर क्या आरोप लगाए : संयुक्त राष्ट्र की चौथी समिति में उपनिवेशवाद से जुड़े मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान के जवाब में महिमा कुमारी ने भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के मंच का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर को लेकर झूठ और गलत जानकारी फैलाने के लिए कर रहा है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पाकिस्तान को ऐसा करने से बचना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पर भारत ने क्या दोहराया : महिमा कुमारी ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगियों ने अपने बुनियादी अधिकारों, आजादी और जरूरी सुविधाओं की मांग कर रहे दर्जनों निर्दोष नागरिकों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही, चुनावों में धांधली, लोकप्रिय निर्वाचित नेताओं को जेल में डालने, धार्मिक कट्टरपंथ और सरकारी नीति के तौर पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उपदेश देने से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा।

प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र में कौन-सा मुद्दा उठाया : प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की छठी समिति में एजेंडा आइटम 75 पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों की आपराधिक जवाबदेही से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि भारत कर्मचारियों के आपराधिक आचरण और कदाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। उन्होंने जवाबदेही तय करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और सदस्य देशों के बीच मजबूत सहयोग तथा प्रभावी व्यवस्था बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा पर क्या कहा : प्रिया सरोज ने कहा कि जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन और पीड़ितों व गवाहों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता मजबूत करने, सदस्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

फ्लाईदुबई मामला: ओमान का सह-पायलट विमान तेल अवीव हवाई अड्डे पर गिराना चाहता था

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि फ्लाईदुबई के सह-पायलट का इरादा तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान को यात्री टर्मिनल में गिराना था। पिछले महीने उसने तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान के भारतीय कप्तान स्मित मच्छार पर चाकू से हमला किया था। यूएई के शीर्ष अभियोजक ने कहा कि उसका उद्देश्य अधिकतम मानवीय क्षति पहुंचना था। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उड़ान में सवार 174 यात्रियों में से अधिकांश इस्राइल से थे। सह-पायलट ने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली थी। सह-पायलट की पहचान 29 वर्षीय हमाम अल-हमामी के रूप में की गई है।

यूएई के अटॉर्नी जनरल हमद सैफ अल शम्सी के मुताबिक, को-पायलट करीब 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था. न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हम्माम अल-हम्मामी 2015 से 2017 तक मेलबर्न के रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ा, लेकिन इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी नहीं की. जांच के मुताबिक, वह आतंकी संगठनों और आत्मघाती हमलों का समर्थन करने वाली किताबें और ऑनलाइन सामग्री देखने लगा था. उसे मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े समूहों का समर्थन मिलने की बात भी कही गई है. वह 9/11 हमलों और तकफीर विचारधारा से प्रभावित था. इसमें एक मुसलमान दूसरे मुसलमान को धर्म से बाहर मान सकता है. जांचकर्ताओं के मुताबिक, को-पायलट ने माना कि विमान से हमला करने की योजना उसके पायलट बनने के फैसले से जुड़ी थी. उसने जनवरी 2026 में फ्लाईदुबई जॉइन की थी. इससे पहले चार साल ओमान एयर और कुछ समय मोरक्को की रॉयल एयर मारोक में काम किया था. उसने तेल अवीव की दो उड़ानों से रास्ते की जानकारी जुटाई. वह कट्टरपंथी सामग्री देखता रहा और बॉक्सिंग भी सीखी. उसका दावा है।

अमेरिकी नौकरी विदेश भेजी तो लगेगा भारी टैरिफ, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की कंपनियों को चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि जो कंपनियां अमेरिकी नौकरियां विदेशों में ले जा रही हैं या अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कानूनी अप्रवासियों को रखेंगी, उन्हें भारी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना और देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। ओहायो के लीमा शहर में एक रिपब्लिकन मिडटर्म चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वेंस ने कहा कि जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करेंगी और अमेरिकी नागरिकों को रोजगार देंगी, उन्हें सरकार प्रोत्साहन देगी। वहीं, जो कंपनियां अपने कारखाने और नौकरियां विदेश भेजेंगी, उन्हें सजा के तौर पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वेंस ने कहा कि अगर आप अमेरिका में सामान बना रहे हैं और अमेरिकी

नागरिकों को रोजगार दे रहे हैं, तो बहुत बढ़िया। हम आपको बड़ा टैक्स कट देंगे और उत्पादन बढ़ाने और कारोबार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हालांकि अगर आप अमेरिकी नौकरियां विदेश भेज रहे हैं, अपना कारखाना किसी विदेशी कंपनी को स्थानांतरित कर रहे हैं या बाद में अमेरिकी कर्मचारियों की जगह किसी कानूनी अप्रवासी को रखने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको क्या मिलेगा? भारी टैरिफ।

वेंस की यह टिप्पणी इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा की बात करते हुए कानूनी अप्रवासियों का भी स्पष्ट रूप से जिक्र किया। हालांकि, उपराष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि कानूनी अप्रवासियों को रोजगार देने वाली कंपनियों पर किसी नए टैरिफ को कैसे लागू किया जाएगा या ऐसी कोई नई नीति कब लाई जाएगी।

इसके बावजूद उनकी टिप्पणियों से यह साफ संकेत मिला कि प्रशासन रोजगार के मामले में अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने और कंपनियों को अमेरिका के भीतर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। वेंस ने कहा कि प्रशासन की नीतियों का उद्देश्य दशकों से चली आ रही औद्योगिक गिरावट को पलटना और अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों को विदेश जाने से रोकना है। अपने गृह नगर मिडलटाउन, ओहायो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों के सामने फैक्ट्रियां बंद होते और नौकरी जाने के बाद परिवारों को संघर्ष करते देखा है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि जब मां या पिता अपनी नौकरी खो देते हैं तो परिवारों पर उसका क्या असर पड़ता है।' वेंस का कहना था कि सरकारी नीतियां ऐसी होनी चाहिएं जो कंपनियों को विदेशों में नौकरियां भेजने के बजाय अमेरिका में निवेश और उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, 'हम अपने लोगों के लिए लड़ेंगे।' उपाध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि प्रशासन की आर्थिक नीतियों के कारण खरबों डॉलर का निवेश आया है और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में नई नौकरियां पैदा हुई हैं। वेंस ने ओहायो में ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और दवा कंपनियों के प्रस्तावित निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अमेरिका में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी।

भारत-अफ्रीका संबंध: 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को समर्थन, सहयोग और आत्मनिर्भरता पर जोर

अदीस अबाबा, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच ऐतिहासिक साझेदारी को साझा एकजुटता, समान अवसरों और आत्मनिर्भरता की भावना पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका दोनों की विकास संबंधी प्राथमिकताएं औद्योगीकरण, आर्थिक प्रगति और अपने भविष्य को स्वयं निर्धारित करने की आकांक्षा से जुड़ी हैं। शुक्रवार को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा स्थित अडवा मेमोरियल म्यूजियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों को औद्योगीकरण के अवसर मिलने चाहिए और सस्ते सामान की अत्यधिक आमद या बाजार तक पहुंच सीमित करने जैसे कदम उनकी विकास यात्रा में बाधा नहीं बनने चाहिए। भारत और अफ्रीका के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच बढ़ते व्यापार एवं निवेश संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। इनमें विनिर्माण, दूरसंचार, दवा उद्योग, ऊर्जा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तीय सेवाएं और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं।उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को लेकर भारत और अफ्रीका की साझा सोच इस दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूत नींव है। दोनों पक्षों के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ अपनी क्षमताओं को मजबूत करना और विकास की दिशा स्वयं तय करना महत्वपूर्ण है। अफ्रीका में 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को भारत का समर्थन विदेश मंत्री ने बताया कि अफ्रीकी देशों के साथ भारत की विकास साझेदारी संबंधित देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जाती है।

जयशंकर के अनुसार, भारत ने बिजली उत्पादन, विद्युत पारेषण, जल प्रबंधन, कृषि, रेलवे, स्वास्थ्य सेवाओं, विनिर्माण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 220 से अधिक परियोजनाओं का समर्थन किया है।

ट्रंप ने पुतिन से की बड़ी डील, डीजल समझौते पर जेलेंस्की बोले- युद्ध के बीच निवेश जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका को 3,00,000 मीट्रिक टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करने जा रहा है. उन्होंने कहा कि यह सप्लाई तुरंत की जाएगी. बता दें, ट्रंप प्रशासन अगले महीने 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ते दामों को कम करने के प्रयास में जुटा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को रूस के साथ हुई डीजल डील को 'बड़ी डील' बताया और अमेरिका को 'भारी मात्रा' में डीजल की आपूर्ति करने पर सहमति जताने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का धन्यवाद भी किया. ट्रंप ने न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज में मिड-टर्म चुनाव प्रचार के लिए जाने से पहले व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि मुझे लगता है कि आपने रूस के साथ हुई तेल डील के बारे में सुना होगा. यह एक बड़ी डील है. इससे हमारे देश में बहुत बड़ी मात्रा में तेल आ रहा है. मैं राष्ट्रपति पुतिन का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. हमारे देश में भारी मात्रा में तेल आ रहा है, और यह डीजल है, जिसकी हमें जरूरत है. यह बयान उनकी उस घोषणा के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि रूस तुरंत अमेरिकी और वैश्विक बाज़ारों में 3,00,000 टन से ज़्यादा डीजल की सप्लाई करेगा. 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि रूस नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10 लाख टन डीजल की सप्लाई करेगा. इसके बाद, अपनी डीजल रिफाइनरियों की स्थिति के आधार पर, कुछ ही समय में 30 लाख टन और डीजल की

सप्लाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सप्लाई और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी कंट्रोल से अमेरिकियों और ग्लोबल मार्केट में डीजल की कीमतें कम होंगी. ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारे पूरे कंट्रोल और रूसी एनर्जी पर इस शानदार घोषणा की वजह से अमेरिकियों और पूरी दुनिया के लिए डीजल की कीमतें तेजी से और रिकॉर्ड स्तर पर कम होंगी. उन्होंने अमेरिकियों, खासकर किसानों, पशुपालकों और ट्रक ड्राइवरों के लिए कीमतें कम करने को अपनी 'सबसे बड़ी प्राथमिकता' बताया और फिर से कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा. वहीं, अमेरिका की रूस से इस डील पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी है. जेलेंस्की ने तनाव कम करने के किसी समझौते के बिना मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की आलोचना की. सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में, जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंध लगाने, यूक्रेन को लगातार समर्थन देने और संघर्ष को खत्म करने के लिए मॉस्को पर और ज्यादा दबाव बनाने की मांग की. उन्होंने लिखा कि शांति कभी भी कमजोरी से नहीं आती. आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि दोनों पार्टियों के नेताओं का एक दल कीव में थे।

पनामा में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7 और 6.6, कई इमारतें गिरीं

पनामा सिटी (पनामा), एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए. पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप से झटकों से लोग हिल गए. उसके बाद 6.6 तीव्रता का एक और झटका लगा. लगातार भूकंप के झटकों से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोग घबरा गए.जानकारी मिली है कि कई इमारतें गिर गई हैं. हालात को देखते हुए लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है. सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर की गई एक पोस्ट में, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप 9 अक्टूबर को रात 11:26 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर आया. दी गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पनामा सिटी, पनामा से 206 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था. इस बीच, पनामा में अमेरिकी दूतावास ने बताया कि 9 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:56 बजे पनामा के ला पितालोजा में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पितालोजा अरिबा से लगभग 14 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था.

दूतावास ने चेतावनी दी कि नुकसान पहुंचाने वाले भूकंप के झटके और आ सकते हैं. उसने यह भी कहा कि अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, पेरू, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, पनामा, निकारागुआ,

कोलंबिया और इक्वाडोर के लिए संभावित सुनामी की चेतावनी जारी की है. दूतावास ने कहा कि तट के पास तेज और असामान्य धाराएं और अचानक पानी का तेज बहाव (सर्जेस) हो सकता है.इसके साथ ही, प्रभावित इलाकों में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई कि वे क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें और ताजा जानकारी के लिए स्थानीय आपातकालीन प्रसारण और आधिकारिक निर्देशों पर नजर रखें. दूतावास ने लोगों से कहा कि वे नुकसान वाली जगहों पर न जाएं और क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश करने से बचें. साथ ही, तटीय इलाकों में रहने वालों को ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई. इसके अलावा, लोगों को बिजली और संचार व्यवस्था ठप होने की संभावना के लिए तैयार रहने को भी कहा गया. अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक भूकंप का असर राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया है. लोग डर के चलते घरों से बाहर आ गए और खुले स्थानों पर आकर तमाम जानकारियों का इंतजार करने लगे. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट किया कि शुक्रवार की सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया। दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत का माहौल है। भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया। भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ है। लोगों के घरों की दीवारों पर दरारें पड़ गईं। लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे। लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे।

तनावग्रस्त प्रेगनेंट महिला के शिशु को एलर्जी का खतरा

गर्भावस्था में मां के आचार-विचार का भावी शिशु पर असर पड़ने की बात यूं ही नहीं कही जाती। अब डाक्टरों ने एक नए शोध के आधार पर बताया है कि गर्भावस्था में तनावग्रस्त रहने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं के दमा या एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका अधिक रहती है। अमेरिकन थोराइसिस सोसायटी इंटरनेशनल कांफ्रेंस टोरंटो में पेश की गई अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान तनाव में रहती हैं उनके शिशुओं के दमे और एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका बढ़ जाती है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की प्रमुख शोधकर्ता डा. रोसालिन राइट कहती हैं कि इस शोध से उन सबूतों को और बल मिला है कि मां के मानसिक तनाव का शिशु पर गहरा असर पड़ता है। किसी भी प्रकार का तनाव गर्भावस्था के दौरान भी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। शोध से यह संकेत मिलता है कि जन्म से पहले तनाव की चपेट में आने वाले बच्चे पिस्सू से उत्पन्न होने वाली एलर्जी आदि के प्रति जल्दी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। डॉ. राइट ने कहा कि यह शोध इस अवधारणा को पुष्ठ करता है कि तनाव भी एक सामाजिक प्रदूषक है जो शरीर में पैदा होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान मस्त रहने वाली माताएं ऐसे शिशुओं को जन्म देती हैं जिनमें ई या आईजी ई का उच्च स्तर होता है जो एक रोग प्रतिरोधक प्रणाली है।

पुरूषों में बढ़ रहे हैं स्तन कैंसर के मामले

पुरूषों में स्तन कैंसर सुनने में जरूर कुछ अटपटा सा लग सकता है लेकिन कैंसर विशेषज्ञों का दावा है कि महिला स्तन कैंसर की ही तरह अब पुरूष भी इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं और देश में पुरूषों में यह एक प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक और जाने माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से पुरूषों में भी स्तन कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं और इनमें एक प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि जीवनचर्या में तेजी से आ रहा परिवर्तन और हार्मोन में बदलाव भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या बहुत कम है। इसलिए इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जहां तक इसके प्रारंभिक लक्षणों का सवाल है, जब स्तर कैंसर की शुरूआत होती है तो पुरूषों में स्तन के निप्पल का आकार बड़ा हो जाता है और एक गांठ बन जाती है जिसका रंग लाल होने लगता है और उसको दबाने से दर्द होने लगता है।

यह पूछे जाने पर कि पुरूष स्तन कैंसर किन किन कारणों से होता है, इसी संस्थान की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. के गीता ने कहा कि पुरूष स्तन कैंसर किन कारणों से होता है अभी निश्चित रूप से इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है। आज इस दिशा में दुनियाभर में तेजी से अनुसंधान चल रहे है ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में डा. चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भारत में महिला स्तन कैंसर का सवाल है यह एक सामान्य कैंसर है लेकिन जीवनचर्या में तेजी से आ रहे परिवर्तन के कारण आज देश में स्तन कैंसर के मामलों में 5-10 प्रतिशत वृद्धि हो रही है और यदि यह स्थिति जारी रही तो वर्ष 2020 तक देश में स्तन कैंसर के मामलों में 200 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि हम सहस्त्राब्दि लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं तो हमें महिला और पुरूष दोनों के स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने और इसके बचाव के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि देश में महिला स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता की भारी कमी है। यदि शुरूआती अवस्था में ही स्तन कैंसर का पता चल जाए तो इसका कारगर इलाज हो सकता है। जाने माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. समीर कौल ने इस संबंध में कहा कि हार्मोन असंतुलन और जीन में बदलाव आने के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले पुरूष स्तन कैंसर रोगियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। आमतौर पर देखने में आया है कि पुरूष इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि महिला स्तन कैंसर की अपेक्षा पुरूष स्तन कैंसर अधिक घातक माना जाता है।

हेल्थ प्लस

मां के मोटापे का असर बच्चों पर दिखता है ज्यादा

मोटापे की शिकार महिलाएं न सिर्फ इस व्याधि को अपने बच्चों तक पहुंचाती हैं बल्कि इन बच्चों में मांसपेशियां भी कम होती है। अमेरिका स्थित आक्लाहोमा विश्वविघालय के स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र के डा. डेविड ए. फील्ड के नेतृत्व में किए गए शोध में यह बात सामने आई है। शोध में यह भी पाया गया कि वैश्विक स्तर पर खासकर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में वजन बढ़ने की समस्या बढ़ रही है। इसके फलस्वरूप इनके पैदा होने वाले बच्चे का वजन तो चार किग्रा या इससे भी ज्यादा होता लेकिन मांसपेशियां कम होती है। शोध में पाया गया कि मोटापे की समस्या के साथ जन्म लेने वाले बच्चे इसी के साथ बड़े भी होते हैं और इस कारण से जवानी की दहलीज तक पंहुचते ही इनमें मधुमेह सहित अन्य व्याधियां पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

फल व सब्जियां लाभदायक आंखों के लिए

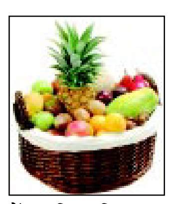

फलों व सब्जियों के सेवन से हुए लाभों में अब एक नया लाभ और जुड़ गया है। हाल ही में विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध के अनुसार एक्यूट माक्यूलर डिजनेरेशन (ए.एम.डी.) नामक आंखों की बीमारी जिससे अंधापन हो जाता है, की संभावना को भी फलों एवं सब्जियों का सेवन कम करता है। अधिकतर फलों व सब्जियों में ल्यूटिन, जियाएक्सानथिन नामक पिगमैंट पाए जाते हैं। ये पिगमैंट आंखों को नीली रोशनी के प्रभाव से बचाते हैं तथा हमारी आंखों की देखने की शक्ति सुरक्षित रहती है। वृद्धावस्था में इस पिगमैंट का स्तर कम होता है जिससे दिखाई देना बंद हो जाता है।

बुजुर्गों के लिए अच्छे हैं खर्राटे

यदि आप मानते हैं कि खर्राटा लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो आपको दुबारा सोचना चाहिए, क्योंकि एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि सोते हुए खर्राटा भरने और नाक से आवाज निकलने वाले लोग, विशेषकर बुजुर्ग लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं।

इस्त्राइल में हुए शोध में पाया गया है कि खर्राटे की बीमारी से मुक्त लोगों की अपेक्षा 65 साल से अधिक आयु के उन लोगों, जिनमें खर्राटा संबंधित बीमारी 'स्लीप एपनिया' होती है, उनके चिरायु होने की संभावना अधिक होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह हिपोक्सिया में छेद के कारण होता है, जो सांस लेने में आने वाली बाधा है। यह बुजुर्गो के कार्डियोवास्कुलर तंत्र को दुरूस्त करते हुए ऑक्सीजन की कमी को दूर कर रक्षात्मक प्रभाव डालता है। दिल के दौरे के समय जब ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, उस समय शरीर उससे निपटने में अधिक सक्षम होता है। 'डेली मेल' के अनुसार अध्ययन में पाया गया है कि स्लीप अपोनिया का युवाओं पर इसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि दिल की बीमारी का जोखिम प्रौढ़ व्यक्तियों को अधिक होता है। टेक्नियोन संस्थान क शोधकर्ताओं ने चार वर्षों की अवधि में छह सौ से अधिक बुजुर्ग लोगों के विश्लेषण के आधार पर अपना निष्कर्ष दिया है, जिनमें स्वस्थ स्वयंसेवकों के समूह की अपेक्षा दिल की बीमारी से संबंधित कम मौते हुई। शोध के नतीजों को ग्लास्गो में यूरोपीय एसोसिएशन फार स्लीप रिसर्च की बैठक में पेश किया गया।

गैचेट ऑन तो बैकपेन गॉन

कमरदर्द के कारण कई तरह की परेशानियां झेल रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। एक गैजेट निर्माता ने दावा किया है कि उसका गैजेट दो हफ्ते के भीतर ही बैकपेन से मुक्ति दिला देगा। बैंडेज की तरह दिखने वाले इस गैजेट को कमर से सटाकर बांधना होगा। यह कमर के पोस्चर को ठीक करने में मददगार साबित होता है। इस आई-पोस्चर डिवाइस को कमर पर लगाकर एक मिनट में तीन डिग्री के मोशन के लिए सेट करना होता है। उसके बाद यह वाइब्रेट होना शुरू हो जाता है।

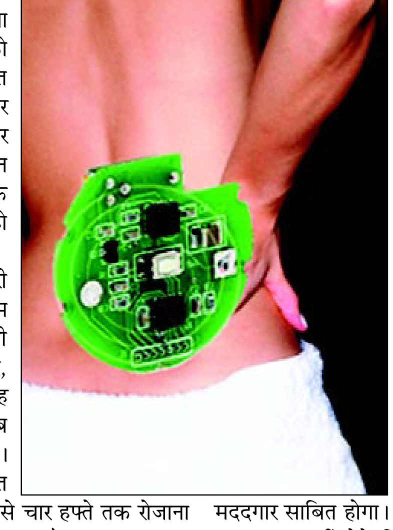

यह वाइब्रेशन तब तक जारी रहता है जब तक कि कमर एकदम सीधी न हो जाए। छाती बाहर की आर और सिर स्थिर। दसअसल, यह डिवाइस प्रयोगकर्ताओं को यह बताएगी कि उनकी कमर अब बिल्कुल सीधी अवस्था में है। कमर को सीधी रखने की आदत में ढलने के लिए गैजेट को दो से चार हफ्ते तक रोजाना चार घंटे इस्तेमाल करना पड़ सकता है। एक बार कमर सीधी रखने की आदत पड़ने के बाद इस गैजेट का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। इस गैजेट में एक माइक्रोचिप लगी है, जो प्रत्येक सेकेंड में कमर की मूवमेंट को मॉनीटर करेगी। इसमें लगा विशेष सॉफ्टवेयर फिलटर गलत मुद्राओं के बारे में सूचित करेगा, जो आई-पोस्चर को शरीर की कई मुद्राओं को ग्रहण करने के बारे में भी जानकारी देगा। इसे बैठते, चलते समय इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गैजेट ऐसे लोगों के लिए खासा मददगार है, जो घंटों कंप्यूटर के सामने बैठते हैं। इस गैजेट से संबंधित शोध के नतीजे बताते हैं कि यह कमर की स्थिति को लेकर काफी कारगर है और पुरूषों में खासा सफल रहा है। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, जो महिलाएं अपनी कमर की मुद्रा को सुधार लेती हैं, उनकी कमर की मोटाई भी दो इंच तक घट सकती है। ऐसी महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस फ्रैक्चर की संभावना भी कम हो जाती है। इस गैजेट को बनाने वाले न्यूरोलॉजिस्ट और पैन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डा. मोआकिर शूनैप का मानना है कि उनका आविष्कार कमर की स्थितियों को सुधारने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा, 'दरअसल, हम इस आर ध्यान नहीं देते कि कमर की मुद्राएं हमें प्रभावित करती हैं। जो कि बेहद जरूरी है। गैजेट का इस्तेमाल करने के साथ-साथ नियमित एक्सरसाइज भी करनी होगी। सुधार दिखने के बाद भी कुछ हफ्तों तक गैजेट का प्रयोग करें, यह उनकी कमर की स्थिति सुधारने में मददगार होती है।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली -2614

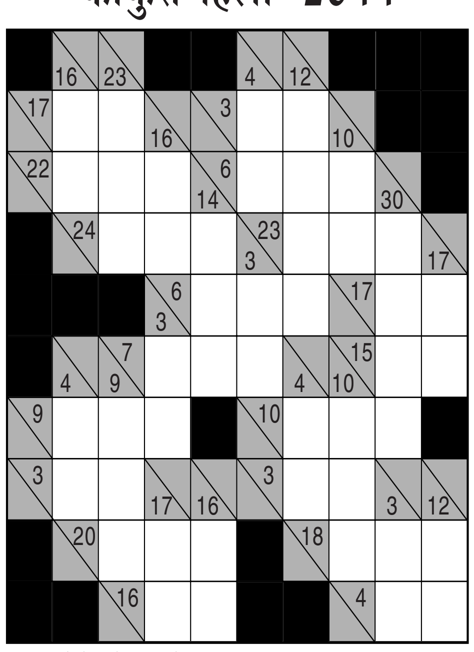

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

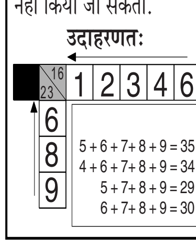

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2613 का हल

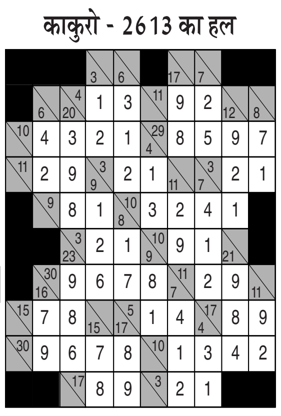

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

❑ ❑ ❑

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

❑ ❑ ❑

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

❑ ❑ ❑

फिल्म वर्ग पहेली- 2614

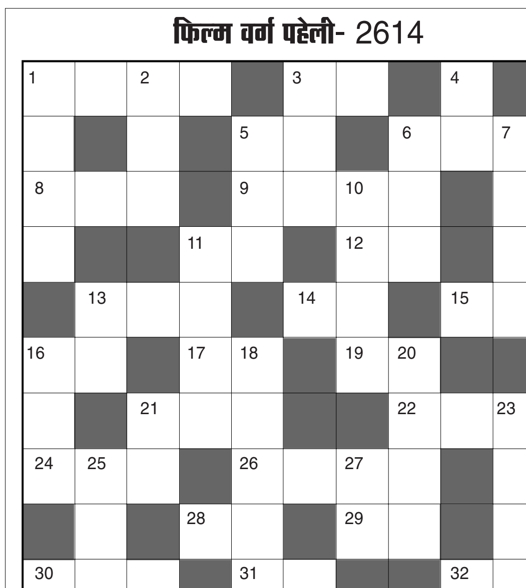

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2613

सूडोकु -2614

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2615 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 2614

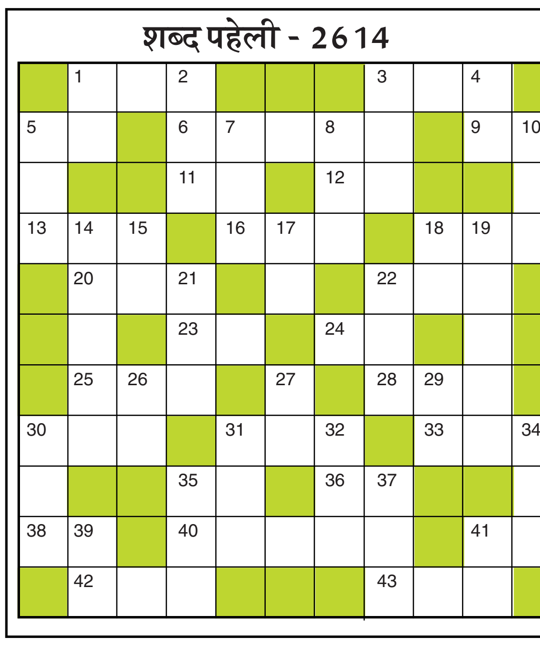

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -2613 का हल

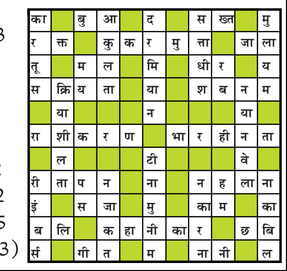

बोकारो के वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में बड़ा हादसा, गैस की चपेट में आने से दो कर्मचारियों की मौत

एजेंसी

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोड़ी थाना क्षेत्र स्थित वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में रविवार सुबह एक हादसे में दो कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस-1 के भीतर काम करने के दौरान हुई। शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि दोनों कर्मचारी किसी जहरीली गैस के संपर्क में आ गए थे, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। हालांकि, मौत के असली और आधिकारिक कारणों की पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। मृतकों की पहचान हजारीबाग के रहने वाले सोहन महतो और धनबाद के रहने वाले समीर अंसारी के रूप में हुई है। प्रबंधन की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस हादसे में जान गंवाने वालों में एक कंपनी का एग्जीक्यूटिव था, जबकि दूसरा कर्मचारी किसी बिजनेस पार्टनर के अधीन इंजीनियर के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहा था। कंपनी के अनुसार, गैस रिसाव या संपर्क की बात सामने आने के तुरंत बाद दोनों कर्मचारियों को प्राथमिक मेडिकल जांच की गई और उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

कंगना रनौत और एनडीए नेताओं ने सीजेपी के प्रदर्शन को बताया सोची-समझी साजिश

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के आह्वान पर भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद समेत एनडीए नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। एनडीए नेताओं ने सीजेपी के प्रदर्शन को सोची-समझी साजिश करार दिया है। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'देश-विरोधी तत्व, आतंकवादी ताकतें और अंतरराष्ट्रीय साजिशें इस समय हमारे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। देश और उसके नागरिकों को परेशान करने के लिए किसी न किसी बहाने से तरह-तरह की साजिशें रची जा रही हैं।' मथुरा में भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा ने आईएएनएस से कहा, 'कुछ लोग सोची-समझी साजिश के तहत भारत को बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह तो बस वोटर लिस्ट को शुद्ध करने की प्रक्रिया है, फिर भी इतना हंगामा हो रहा है। वोटर लिस्ट में मौजूद गड़बड़ियों को ठीक किया जा रहा है।'

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादी कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में दो प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों पर जबरन वसूली तथा हथियारों के परिवहन में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मिली विशेष सूचना के आधार पर मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने 10 अक्टूबर को इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फोखेलांगनांगखोंग इलाके में अभियान चलाया। इस दौरान रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ)/पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के कथित सक्रिय कैडर वांगखेम मलेमंगनबा (37) को गिरफ्तार किया गया। वह इसी इलाके की लेन नंबर 12 का निवासी है और उस पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप है। इस संबंध में लाम्फेल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

उपराष्ट्रपति व अन्य ने नवरात्रि के पावन अवसर पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने रविवार को नवरात्रि के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, मॉं दुर्गा का आशीर्वाद हम सभी को शक्ति, साहस और उत्तम बुद्धि प्रदान करे। मॉं जगदम्बा की कृपा से हम एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण का अपना संकल्प अवश्य पूरा करेंगे।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मॉं जगदम्बा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का संचार हो, तथा राष्ट्रीय एकता और प्रगति का संकल्प और सुदृढ़ हो। ओम बिरला ने कहा कि पर्वतों के राजा हिमालय की पुत्री, मां शैलपुत्री धैर्य, अटूट संकल्प, पवित्रता और अडिग विश्वास की प्रतीक हैं। उनकी दिव्य पूजा संयम, साहस, कर्तव्य-निष्ठा और आंतरिक शक्ति के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मॉं भगवती की असीम कृपा हर हृदय को करुणा से, हर परिवार को सुख-समृद्धि से और समाज को प्रेम, एकता और सद्भाव से भर दे। मॉं शैलपुत्री के आशीर्वाद से देश शांति, न्याय, सदाचार और मानवीय मूल्यों के पथ पर निरंतर आगे बढ़े।

सैनिकों और उनके परिवारों का कल्याण पूरे समाज की जिम्मेदारी : उपराष्ट्रपति

राज्यपाल संतोष गंगवार ने ऑपरेशन सिंदूर का किया उल्लेख- पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के लिए कल्याणकारी सेवाओं की सराहना

एजेंसी

देवघर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने देवघर दौरे के दौरान दर्दमारा स्थित पीडी हिंदुजा अस्पताल परिसर में आयोजित सैन्य सेवा संपर्क मेले के समापन समारोह में हिस्सा लिया। भारतीय सेना की ओर से आयोजित इस मेले का उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों को विभिन्न सेवाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दुबे भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि जब देश के सैनिक हमेशा राष्ट्र की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, तो देश का भी दायित्व है कि वह सैनिकों और उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा रहे। सैनिकों के बलिदान का सम्मान करना और उन्हें उचित सहयोग, देखभाल तथा सुविधाएं उपलब्ध कराना राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का हिस्सा होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति समाज के प्रत्येक व्यक्ति में प्रतिबद्धता होनी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि देश

के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सैनिकों के बलिदान को हमेशा याद रखा जाए और उन्हें वह सम्मान, सहयोग तथा देखभाल मिले, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने झारखंड की सैन्य सेवा और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए परमवीर चक्र से सम्मानित लांस नायक अल्बर्ट एक्का तथा राज्य के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति ने मेले का भ्रमण भी किया और वहां उपलब्ध एकल-खिड़की यानी 'सिंगल-विंडो' सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को समय पर सहायता, स्वास्थ्य सुविधाएं, पेंशन सेवाएं तथा शिकायतों के त्वरित समाधान उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि देश के सैनिक सीमाओं पर तैनात रहकर भारत की संप्रभुता, सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा करते हैं। उनके प्रति सम्मान केवल भावना का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय दायित्व है। समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सैनिकों ने इस अभियान के दौरान साहस, शौर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। यह देश की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास करता है, लेकिन देश की संप्रभुता और सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि सैन्य सेवा संपर्क मेले जैसे आयोजन सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिजनों से सीधे संवाद करने का अवसर प्रदान करते हैं।

मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा

24 घंटे में नौ लोगों की मौत

उपद्रियों ने 14 मकानों में लगाई आग

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 मकानों को आग के हवाले कर दिया गया। ताजा घटनाओं से कुकी और नगा समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया है। स्थिति के विरोध में कुकी संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) ने कांगपोकपी जिले में 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। वहीं, कामजोंग जिले में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में एक कुकी महिला, कामजोंग और कांगपोकपी जिलों में अलग-अलग हमलों में मारे गए नगा ग्राम रक्षक तथा उखरुल जिले में वाहन से यात्रा कर रहे एक नागरिक शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक,

हिंसा की शुरुआत चस्साद पुलिस थाने के पास हुई, जहां गोलीबारी के दौरान 42 वर्षीय कुकी महिला दोमखोनेई तौथांग की मौत हो गई। वह पांच बच्चों की मां थीं। पुलिस, इंडियन रिजर्व बटालियन और सीमा सुरक्षा बल के जवान इलाके में कथित अवैध बंकरों को हटाने के लिए अभियान चला रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवानों ने जवाबी कार्रवाई की। गोली लगने से तौथांग की मौके पर ही मौत हो गई।यह घटना चस्साद गांव के स्वयंसेवकों की कथित मनमानी गिरफ्तारी और हिरासत के विरोध में जारी प्रदर्शन के बीच हुई। इसके बाद आगजनी और गोलीबारी की घटनाएं सामने आईं। दोनों समुदायों के लोगों के कम से कम 14 मकानों को जला दिया गया।

उपद्रवियों ने चस्साद पुलिस थाने में भी आग लगाने का प्रयास किया, जिससे प्रवेश द्वार के पास स्थित कुछ लकड़ी की दुकानों को नुकसान पहुंचा। सुबह करीब पांच बजे फिर गोलीबारी शुरू हुई, जो लगभग सात बजे तक जारी रही। इसके बाद कामजोंग जिला प्रशासन ने चस्साद पुलिस थाने के 400 मीटर के दायरे में लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया। कामजोंग जिले के निंगची चिंगडोंग गांव में सुबह करीब 9.30 बजे हुए एक अन्य हमले में दो नगा ग्राम रक्षकों नगाचांसो निंगशेन (30) और लेइशिशान हुंगयो (50) की मौत हो गई।

विंध्याचल नवरात्रि मेले में 21 अक्टूबर तक भारी वाहनों की नो-एंट्री

एजेंसी

मीरजापुर (उत्तर प्रदेश)। विंध्याचल शारदीय नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान लागू किया है। क्षेत्राधिकारी यातायात गायत्री यादव के अनुसार, 21 अक्टूबर की रात 10 बजे तक मीरजापुर शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

प्रयागराज से आने वाले भारी वाहनों को गैपुरा चौराहा से विजयपुर और लालगंज की ओर डायवर्ट किया जाएगा। नटवा तिराहा से विंध्याचल की ओर पेट्रोलियम व गैस वाहनों को छोड़कर अन्य भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वाराणसी से प्रयागराज जाने वाले भारी वाहनों को औराई व रामटेक चौराहा से डायवर्ट किया जाएगा। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले वाहनों को निर्धारित समय और जांच के बाद ही प्रवेश मिलेगा। बालू, गिट्टी, मोरंग व लोहा लदे वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। श्रद्धालुओं की बसों और चारपहिया वाहनों के लिए अष्टभुजा, काली खोह, अमरावती, घमहापुर, वाराणसी-जौनपुर बस स्टैंड और बरतर तिराहा सहित विभिन्न स्थानों पर पार्किंग निर्धारित की गई है। पार्किंग भरने पर वाहनों को वैकल्पिक पार्किंग स्थलों की ओर भेजा जाएगा।

यातायात पुलिस ने बताया कि सड़क पर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एंबुलेंस, स्कूल बसों, यात्री बसों और आपातकालीन वाहनों को डायवर्जन से छूट रहेगी। पुलिस ने लोगों से निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का पालन करने की अपील की है।

उत्तरकाशी में 4.2 तीव्रता का भूकंप

कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र भटवाड़ी तहसील के अंतर्गत बसुंगा गांव के जंगल में था। फिलहाल जिले में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप रात 8 बजकर 7 मिनट 30 सेकंड पर आया। इसकी गहराई धरती की सतह से 11 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। भूकंप के झटके उत्तरकाशी जिला मुख्यालय के अलावा भटवाड़ी, डुंडा, चिन्यालीसौड़, बड़कोट और धौंतरी क्षेत्रों में महसूस किए गए। वहीं, पुरोला और मोरी क्षेत्र में झटके महसूस नहीं किए गए। भूकंप के झटकों के बाद प्रशासन ने सभी तहसीलों, थानों, पुलिस चौकियों और राजस्व उपनिरीक्षकों के माध्यम से स्थिति की जानकारी जुटाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिले में अब तक कहीं से भी नुकसान की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। प्रशासन ने भटवाड़ी और चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में स्थित मनेरी बांध, तिलोथ, जोशियाड़ा और धरासू बांधों की स्थिति की भी जानकारी ली। इन बांधों को भूकंप से किसी प्रकार की क्षति होने की सूचना नहीं मिली है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नुकसान का आकलन करने व आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। संभावित पुनः झटकों को देखते हुए संबंधित अधिकारियों और पुलिस इकाइयों को सतर्क रहने को कहा गया है।

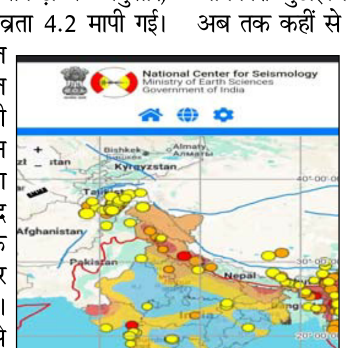

युवाओं के तकनीकी समाधानों से आसान होगी साइबर अपराधों की जांचः हर्ष संघवी

सूरत में ई-रक्षक हैकाथॉन का समापन, छह राज्यों की 31 टीमों ने प्रस्तुत किए तकनीकी समाधान, प्राथमिकी दर्ज करने और साइबर अपराध सुलझाने में होगा उपयोग

एजेंसी

सूरत। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि युवाओं द्वारा विकसित तकनीकी समाधानों का उपयोग आने वाले दिनों में प्राथमिकी दर्ज करने और साइबर अपराधों की जांच की सरकारी प्रक्रिया में किया जाएगा। उन्होंने उपकरणों पर निर्भरता बढ़ाने के बजाय सॉफ्टवेयर आधारित टिकाऊ समाधान विकसित करने पर जोर दिया। सूरत शहर पुलिस और सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी) की नेक्सस

इकाई द्वारा आयोजित ई-रक्षक हैकाथॉन के समापन समारोह में हर्ष संघवी उपस्थित रहे। उन्होंने छह राज्यों के 13 से अधिक विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों की 31 टीमों द्वारा तैयार किए गए साइबर सुरक्षा और डिजिटल चुनौतियों के समाधान से जुड़े नमूनों का अवलोकन किया। आयोजकों के अनुसार देशभर के महाविद्यालयों से 458 विद्यार्थियों ने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया था। इनमें से 31 टीमों के 150 से अधिक विद्यार्थी अंतिम चरण में शामिल हुए। संघवी ने कहा कि तकनीक जहां सुविधाएं बढ़ाती है, वहीं नई चुनौतियां भी पैदा करती है। उपकरणों और कैमरों के मॉडल बार-बार बदलने से सरकारी व्यवस्था पर अतिरिक्त खर्च का बोझ पड़ सकता है। ऐसे में युवाओं के सॉफ्टवेयर आधारित समाधान उपयोगी साबित हो सकते हैं।

कोलकाता के ईडन गार्डेंस में भव्य महालया उत्सव

आस्था और लोक संस्कृति के संगम से जगमगा उठा आसमान

एजेंसी

कोलकाता। महालया के पावन अवसर पर कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेंस में भव्य मेगा इवेंट का आयोजन किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोक कला और आधुनिक तकनीक के अद्भुत संगम वाले इस आयोजन ने स्टेडियम में उपस्थित हजारों दर्शकों का मन मोह लिया। इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, राज्यपाल और कई विशिष्ट मंत्री व गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण एक अत्याधुनिक ड्रोन शो और भव्य लेजर प्रस्तुति रही। तीन हजार से अधिक ड्रोन्स की मदद से आकाश में मां दुर्गा के आगमन के विभिन्न दृश्यों को बेहद जीवंत तरीके से उकेरा गया, जिसने आसमान को पूरी तरह आलोकित कर दिया। पश्चिम बंगाल की समृद्ध संस्कृति को एक मंच पर लाने के लिए राज्य के सभी 23 जिलों से आए

कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। दार्जिलिंग से लेकर पुरुलिया तक की लोक संस्कृति की महक इस मंच पर साफ नजर आई, जिसमें प्रसिद्ध छौ नृत्य, बाउल गान और लोक संगीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन का सबसे ऐतिहासिक क्षण वह रहा जब महालया के इस मंच पर एक साथ तीन हजार ढाकों (विशेष प्रकार को ढोल) की गूंज, एक हजार महिलाओं द्वारा शंखध्वनि और कई पारंपरिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इस विशाल सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए पश्चिम बंगाल का नाम ग्रीनीश बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हाथों में इसका आधिकारिक प्रमाण पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि मां दुर्गा का आशीर्वाद समाज को सुख, सहमति और आशा से परिपूर्ण करे तथा चारों ओर शांति व समृद्धि का संचार हो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि पितृपक्ष के समापन और देवीपक्ष के आगमन की इस बेला में मां दुर्गा का आशीर्वाद हर जीवन को अनंत आनंद और समृद्धि से भर दे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं देते हुए अपने संदेश में कहा कि मां के आगमन से सभी का जीवन सुख और शांति से भर जाए तथा उन्होंने पश्चिम बंगाल की संस्कृति, एकता और सौहार्द के बंधन को और मजबूत करने का आह्वान किया। राज्यपाल आर एन रवि ने अपने संदेश में कहा कि मां दुर्गा अधर्म का नाश कर न्याय स्थापित करने वाली शाश्वत शक्ति हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आज एक नया बंगाल नए आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रदेश सरकार किसानों और जनमानस के साथ, सहायता के लिए न करना पड़े इंतजारः सीएम योगी

जलभराव से राहत और बिजली बहाली के लिए 48 घंटे की समयसीमा, युद्ध स्तर पर राहत कार्य चलाने के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारिश और अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि बारिश व अतिवृष्टि से हुई जनहानि, पशुहानि और फसल हानि का आकलन 24 घंटे के अंदर पूरा कर प्रभावितों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाने, बिजली आपूर्ति बहाल करने और प्रभावित इलाकों में पानी निकालने के लिए समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से साथ फसलों को हुए नुकसान का भी आकलन किया जाए। अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति का आकलन कर राहत कार्यों को प्राथमिकता दी जाए।

कहा है कि बारिश से हुए नुकसान का आकलन संवेदनशीलता और तत्परता के साथ किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को सहायता के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। जनहानि और पशुहानि के मामलों में आवश्यक कार्रवाई के बारिश के कारण प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुचारु बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अगले 48 घंटे में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित अधिकारियों को बिजली आपूर्ति में आई बाधाओं को दूर करने के लिए तेजी से काम करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी निकालने और वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव अभियान तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इन कार्यों को 24 घंटे के भीतर पूरा करने के लिए अधिकारियों को तत्परता से जुटने को कहा है।

प्रभावित क्षेत्रों में जलनिकासी और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जरूरी संसाधनों के साथ राहत कार्य संचालित करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारियों से लेकर संबंधित विभागों के सभी अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और मौके पर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं।

मध्य प्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को दिया जा रहा है बढ़ावा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर श्री महाकाल लोक में विकसित होने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों में कई गुना वृद्धि देखी गई है। मध्य प्रदेश सरकार, धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बातें बिहार के बोधगया प्रवास के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में पितृों का महत्व और सम्मान है। इस नाते गया आने वाले श्रद्धालु बोधगया में भी दर्शन और भ्रमण के लिए अवश्य आते हैं। मध्य प्रदेश सरकार बौद्ध धर्म से जुड़े स्थानों के आवश्यक विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में तेजी आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ राज्यों के परस्पर संबंधों में भी सौहार्द बढ़ा है। राज्यों के लिए भी धार्मिक पर्यटन सहित अन्य व्यवस्थाओं का परस्पर अध्ययन कर अपने राज्य में नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने का यह अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन से सभी राज्य विकास के क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बोधगया, बौद्ध धर्म के अनुयायियों का महत्वपूर्ण श्रद्धा स्थल है। यहां अन्य श्रद्धालु और पर्यटक भी बड़ी संख्या में आते हैं। मध्य प्रदेश से भी सम्राट अशोक का गहरा संबंध रहा है। लगभग 2200 वर्ष पहले सम्राट अशोक पाटलिपुत्र में सत्तारूढ़ थे। इसके पूर्व वे अवंती जनपद के प्रशासनिक प्रमुख भी थे, जिसकी राजधानी उज्जैन थी। उनके पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघमित्रा का बाल्यकाल उज्जैन में बीता। इसी तरह भगवान श्री कृष्ण के सुपुत्र सांब ने बिहार के कई स्थानों पर सूर्य मंदिरों का निर्माण करवाया। इस तरह मध्य प्रदेश और बिहार के संबंध काफी प्राचीन हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश के उज्जैन सहित देश के धार्मिक महत्व के अनेक स्थानों जैसे बनारस, सोमनाथ आदि में सुविधाओं का विकास हो रहा है। तीर्थाटन का महत्व बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में प्रबंधन के कीर्तिमान बन रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष द्वारा दिल्ली में किए जा रहे प्रदर्शन पर भी जमकर निशाना साधा।

हार्दिक पांड्या 33 साल के हुए, जन्मदिन पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आज 33 साल के हो गये। जन्मदिन पर हार्दिक को प्रशंसकों के साथ ही साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। जिन्होंने 33 वर्ष की उम्र तक भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2016 में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद से वह इन दोनों प्रारूपों के नियमित सदस्य रहे हैं। 94 एकदिवसीय मैचों की 68 पारियों में उन्होंने 11 अर्धशतकों की मदद से 1,904 रन बनाए हैं और 91 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं, 138 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 9 अर्धशतकों के साथ 2,288 रन बनाए हैं और 114 विकेट झटके हैं। उन्होंने जुलाई 2017 में टेस्ट डेब्यू के बाद सितंबर 2018 में अपना आखिरी टेस्ट खेला पर इस छोटे से अंतराल में उन्होंने 11 टेस्ट की 18 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतक सहित 532 रन बनाए और 17 विकेट लिए।

हार्दिक ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम को से भारत को 17 साल बाद विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैदान से बाहर के उतार-चढ़ाव और खराब फॉर्म से जूझने के बावजूद, पांड्या ने बड़े टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी तेज गेंदबाजी, विस्फोटक बल्लेबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण उन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी एक दुर्लभ ऑलराउंडर बनाता है। हार्दिक विश्व कप से पहले वह अपनी फॉर्म और निजी जीवन को लेकर लगातार चर्चा में थे। हालांकि, बड़े मौकों पर उनका प्रदर्शन हमेशा बेहतर होता है, और यह विश्व कप इसका सटीक उदाहरण रहा। वर्तमान में, वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। पांड्या की यह बहुमुखी प्रतिभा और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता उन्हें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप 2026 जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भारत के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बनाती है। फिलहाल, वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

रेनशॉ ने विराट का एक रिकार्ड तोड़ा

डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 190 रनों की एक ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का लगभग आठ साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। ये रिकार्ड है निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर सबसे अधिक रन बनाने का।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के 124 रनों पर ही शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे समय में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैट रेनशॉ ने एक छोर संभाले रखा और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उनकी 190 रनों की जुझारू पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 390 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही।

रेनशॉ ने अपनी इस पारी में पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर कुल 174 रन जोड़े, जो अब तक का एक नया कीर्तिमान है। उन्होंने विशेष रूप से तब पारी संभाली जब ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट मात्र 230 रनों पर गिर चुके थे। उन्होंने नौवें विकेट के लिए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन के साथ मिलकर 134 रनों की एक अविश्वसनीय साझेदारी की। इसके बाद, उन्होंने पैट कमिंस के साथ भी कुछ अहम रन जोड़े, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को और मजबूती दी। इन साझेदारियों ने न केवल ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से निकाला, बल्कि रेनशॉ को यह विशिष्ट रिकॉर्ड बनाने में भी सहायता की।

वहीं इससे पहले, टेस्ट क्रिकेट में पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन जोड़ने का यह रिकॉर्ड विराट के नाम था। कोहली ने साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में अपनी 235 रनों की शानदार पारी के दौरान निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ 171 रन बनाए थे। रेनशॉ ने कोहली के इस आठ साल पुराने रिकॉर्ड को तीन रन के मामूली अंतर से तोड़कर एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया है।

बांग्लादेश चैंपियंस के दिये लक्ष्य से हम दबाव में आये : गेल

शारजार (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2026 में वेस्टइंडीज चैंपियंस ने भले ही बांग्लादेश चैंपियंस के खिलाफ रोमांचक मुकाबला जीत लिया हो पर जिस प्रकार से बांग्लादेश चैंपियंस ने उससे टक्कर दी उससे टीम के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल भी डरे हुए हैं। गेल ने माना है कि बांग्लादेश टीम के प्रदर्शन से वह डर गयी थे। वेस्टइंडीज ने इस मैच में 219 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट से यह मैच जीत लिया था पर बांग्लादेश की बेहतरीन बल्लेबाजी से उसके लिए लिए जीत हासिल करना बेदद कठिन हो गया था।

इस मैच में बांग्लादेश चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 219 रन बनाये। उनी नकी तरफ से रोनी तालुकदार और कप्तान महमूदुल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे वेस्टइंडीज के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा हो गया। यह स्कोर इतना आसान नहीं था कि वेस्टइंडीज चैंपियंस इसे बिना किसी दबाव के हासिल कर पाते, और इसी वजह से उन्हें एक ठोस और आक्रामक शुरुआत की सख्त जरूरत थी।

इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज चैंपियंस को क्रिस गेल और लेंडल सिमंस ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जोरदार शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ कुछ ही ओवरों में 67 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। इसके बाद क्रिस गेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए मात्र 25 गेंदों पर 56 रन ठोक डाले, जिसमें 6 छक्के और 4 शानदार चौके शामिल रहे। वहीं, लेंडल सिमंस ने भी 11 गेंदों पर तेजतर्रार 20 रन का योगदान दिया। इस आक्रामक शुरुआत ने वेस्टइंडीज को लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए एक मजबूत नींव प्रदान की।

गेल और सिमंस द्वारा रखी गई नींव का फायदा उठाते हुए, इसके बाद चाडविक वॉल्टन ने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को जीत तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक अविस्मरणीय पारी खेलते हुए महज 43 गेंदों पर नाबाद 90 रन बनाए।

हसन महमूद टेस्ट में हैट्रिक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने

अबू धाबी (एजेंसी)। बांग्लादेश के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं।

इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे है। उनसे पहले साल 2003 में आलोक कपाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहाग गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चटगांव में टेस्ट हैट्रिक दोहराई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की। आलम तब केवल एक रन ही बना पाये थे। हसन ने उन्हें साफ बोल्ड कर दिया।

इसके बाद, हसन ने काइस अहमद को अपना दूसरा शिकार बनाया। बल्लेबाज ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और सीधे विकेटकीपर लिटन दास के हाथ में आई। वहीं हसन की तीसरी गेंद पर जियाउर रहमान एलबीडब्ल्यू आउट हुए। मैदानी अंपायर ने शुरुआत में अपील को खारिज कर दिया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने तुरंत रिव्यू लेने का फैसला किया। वीडियो रेफरल में स्पष्ट रूप से पता चला कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और बॉल ट्रैकिंग के अनुसार वह सीधे स्टंप्स पर लग रही थी। अंपायर का फैसला बदला गया और इस तरह हसन महमूद ने अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की, जिससे बांग्लादेश खेमा खुशी से झूम उठा। हसन की इस गेंदबाजी से अफगानिस्तान की पहली पारी में केवल 240 रन ही बना पायी। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, बांग्लादेश ने पहली पारी में 106 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली, जिससे मैच में उनकी स्थिति मजबूत हो गई। हसन ने न केवल हैट्रिक ली, बल्कि उन्होंने 5-विकेट हॉल भी पूरा किया, जो उनकी इस अविस्मरणीय उपलब्धि को और भी खास बनाता है।

अर्जेंटीना से विदाई के बाद मेसी का धमाका, इंटर मियामी के लिए दागे दो गोल

फ्लोरिडा। अर्जेंटीना के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के भावनात्मक अंत के महज चार दिन बाद लियोनेल मेसी ने क्लब फुटबॉल में शानदार वापसी की। मेसी ने शनिवार को इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए डीसी यूनाइटेड के खिलाफ दो गोल दागे और अपनी टीम को 4-0 से शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

गंभीर ने मयंक की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए टी-20 मुकाबले में मयंक यादव लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से गेंद डालते रहे। चोट से उबरकर वापसी कर रहे मयंक ने इस मैच में अपने तीन ओवर में 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए। उनकी गेंदों के सामने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम भी टिक नहीं पाया। उनकी इस प्रभावशाली गेंदबाजी ने न केवल वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशानी में डाला, बल्कि भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसे तेज गेंदबाज की झलक भी दी, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा हथियार बन सकता है। इसी से से प्रभावित होकर गंभीर ने उनकी जमकर तारीफ की। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उसने आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया। हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ??है कि 17वां ओवर मयंक न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने बताया कि कप्तान ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। साथ ही कहा , अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है, एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे सैंटनर

-फर्ग्यूसन और एलन की तीन साल बाद वापसी

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी मिशेल सेंटनर को दी गयी है जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन की तीन साल के बाद टीम में वापसी हुई है। यह सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक खेली जाएगी, जिसके लिए न्यूजीलैंड बोर्ड ने पहले तीन एकदिवसीय और अंतिम दो एकदिवसीय के लिए अलग-अलग दल का चयन किया है। टीम के रणनीतिक बदलावों और प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी से यह सीरीज और भी बेहतर होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि टीम में वापसी करने वाले फर्ग्यूसन ने कीवी टीम के लिए अपना अंतिम एकदिवसीय मुकाबला तीन साल पहले खेला था और अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे टीम की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। उनके अलावा फिन एलन की भी तीन साल के बाद ही एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने भी अपना अंतिम एकदिवसीय साल 2023 में खेला था। विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम साइफर्ट की भी 50-ओवर फॉर्मेट में वापसी हुई है। साइफर्ट ने पिछले डेढ़ साल में कोई एकदिवसीय डे मैच नहीं खेला है और उन्हें आखिरी बार अप्रैल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते देखा गया था। साइफर्ट को आखिरी दो एकदिवसीयमैचों के लिए कीवी टीम में जगह मिली है। जबकि एलन पहले से ही टीम का हिस्सा हैं।

इसके अलावा टीम में पहले तीन एकदिवीसय मैचों के लिए शामिल डेवोन कॉनवे को आखिरी दो मुकाबलों के लिए दल में जगह नहीं मिली है। से बाहर रखा गया है। रचिन रवींद्र, जिन्हें चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर रखा गया है, उन्हें पहले तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है।

4 नवंबर को पहला एकदिवसीय जबकि 7 नवंबर को दूसरा एकदिवसीय खेला जाएगा। 10 नवंबर को तीसरा एकदिवसीय और 13 नवंबर को चौथा व 15 नवंबर को पांचवां एकदिवसीय होगा।

न्यूजीलैंड दल पहले तीन एकदिवसीय के लिए मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ??ब्लेयर टिकनर।

वहीं अंतिम 2 एकदिवसीय के लिए टीम में ये खिलाड़ी शामिल हैं- मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

इस एकदिवसीय सीरीज से पहले, भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी, जिसका आगाज 22 अक्टूबर को होगा और समापन 1 नवंबर को होगा। टी20 सीरीज के तीन दिन बाद, यानी 4 नवंबर से, एकदिवसीय मुकाबलों की शुरुआत होगी, जो भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए क्रिकेट का एक लंबा और रोमांचक दौर सुनिश्चित करेगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन देने वाला होगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस से हारी इंडिया चैंपियंस

शारजाह । दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को 4 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स जीती है। इस मैच में टीम इंडिया के दिये 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ने 7 गेंदें पहले ही 197 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने केवल 31 गेंदों पर ही 6 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 77 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं स्टुअर्ट बिन्नी ने भी अर्धशतक लगाया और 50 रन बनाए। वहीं युवराज सिंह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। अंबाती रायुडू सिर्फ 19 रन ही बना पाए। यूसुफ पठान ने 24 रन तो बनाए लेकिन उनकी धीमी पारी टीम के लिए उतनी उपयोगी साबित नहीं हुई। इरफान पठान और ऋषि धवन समेत अन्य बल्लेबाज भी अधिक रन नीं बना पाये। टीम इंडिया ने तय ओवरों में 196 रन बनाये। इसके बाद बड़े लक्ष्य करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके पहले चार विकेट केवल 67 रन पर ही गिर गए थे, जिससे इंडिया चैंपियंस की जीत की उम्मीदें बन रही थीं। प्रमुख बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जेपी डुमिनी और कॉलिन इंग्रम ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 101 रन बनाये। डुमिनी ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 66 रनों की आक्रामक पारी खेली जबकि कॉलिन इंग्रम ने भी 40 रन बनाये। भारतीय गेंदबाज असफल रहे जिससे इंडिया चैंपियंस को इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है।

मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल मुकाबले में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा : एर्लिंग

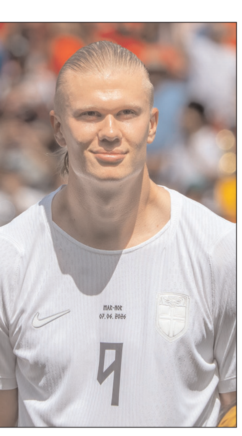

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड को उम्मीद है कि लिवरपूल के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनकी टीम का प्रशंसकों का पूरा साथ मिलेगा। प्रीमियर लीग फुटबॉल में नंबर एक पर चल रही मैनचेस्टर सिटी इस मैच मैच में जीत कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। एर्लिंग को उम्मीद है कि प्रशंसक को इस बड़े मुकाबले मे काफी अच्छा खेल देखने को मिलेगा। एर्लिंग का कहना है कि इस मुकाबले में टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। साथ ही उसे सकारात्मक रुख बनाये रखना होगा। एर्लिंग ने स्वीकार किया कि लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा ही एक अनूठा अनुभव होता है। उन्होंने एनफील्ड में अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वहां जीत, ड्रॉ और हार, तीनों का आनंद लिया है। उनके अनुसार, यह खेल एक नई चुनौती लेकर आता है, और दोनों क्लबों के बीच की गहरी प्रतिद्वंद्विता इसे और भी रोमांचक अनुभव बना देती है। एर्लिंग ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जुर्गन क्लॉप के बीच दशकों तक चली जबरदस्त प्रतिस्पर्धा को भी याद किया। उन्होंने बताया कि जब वह साल्जबर्ग और बोरुसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते थे, तब वह इन दो महान प्रशिक्षकों के बीच होने वाले मुकाबलों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। ब्रिटेन के साथ अपने गहरे पारिवारिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए हालैंड ने कहा कि उनकी मां लगभग एक दशक तक इस देश में रही है, जबकि उनके पिता मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए कैरिंगटन में अभ्यास करते थे। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती चार महत्वपूर्ण साल भी यहीं बिताए। इन व्यक्तिगत संबंधों के चलते, यह स्थान उनके लिए बेहद खास है और उन्हें मैनचेस्टर सिटी तथा उसके समर्पित प्रशंसकों से गहरा लगाव है। मैनचेस्टर सिटी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले लीग के शुरुआती पांच मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर एक मजबूत शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के घरेलू मैदान एनफील्ड में उसे निश्चित रूप से एक कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।

सचिन तेंदुलकर के नाम अनोखा टेस्ट रिकॉर्ड, छक्के से शतक पूरा करने में सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट को धैर्य और तकनीक का खेल माना जाता है। खासकर पुराने दौर में बल्लेबाजों के लिए 90 से 100 रन तक पहुंचना बड़ी चुनौती हुआ करता था। शतक के करीब पहुंचने पर बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने से बचते थे और एक-एक रन जोड़कर अपना शतक पूरा करते थे। हालांकि समय के साथ क्रिकेट का अंदाज बदला और आक्रामक बल्लेबाजों ने शतक पूरा करने के लिए छक्कों का सहारा लेना शुरू कर दिया। टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा करने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में छह बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। उनके नाम 200 टेस्ट मैचों में 51 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड है, लेकिन छक्के से शतक पूरा करने का यह आंकड़ा अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है। सचिन ने पहली बार 1994 में नागपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आठवां टेस्ट शतक छक्के के साथ पूरा किया था। इसके बाद इंग्लैंड के नॉटिंघम में उन्होंने अपने करियर का नौवां शतक भी छक्के से पूरा किया। सचिन के करियर का 18वां टेस्ट शतक भी छक्के से पूरा हुआ था। यह शतक उन्होंने न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में बनाया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010-11 की सीरीज में उन्होंने छक्के के साथ अपना 49वां शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके 50वें और 51वें टेस्ट शतक के दौरान भी छक्का शतक पूरा करने का माध्यम बना। इस तरह सचिन ने कुल छह टेस्ट शतक छक्का लगाकर पूरे किए।

इस सूची में इंग्लैंड के केन बैरिंगटन भी शामिल हैं, जिन्होंने चार टेस्ट शतक छक्के से पूरे किए थे। हालांकि वह सचिन से पीछे हैं। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी छक्के से शतक पूरा करने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीन बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। सहवाग ने 2003 में मेलबर्न में स्टुअर्ट मैकगिल की गेंद पर छक्का लगाकर शतक पूरा किया था। इसके बाद 2004 में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा किया। 2010 में कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान पर रॉबिन पीटरसन की गेंद पर छक्का लगाकर सहवाग ने एक और टेस्ट शतक पूरा किया। सहवाग के नाम टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक भी है, जिसे उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर हासिल किया।

शंघाई मास्टर्स : दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत, अल्काराज भी अगले दौर में पहुंचे

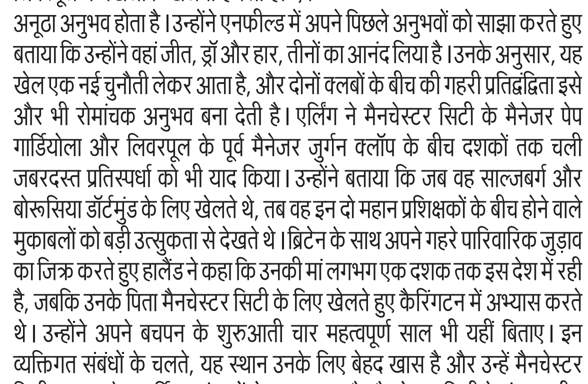

शंघाई। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था।

जिंदगी में धक्के लगने पर संभालते हैं कुछ लोग

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।

तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नैशनल अवॉर्ड की हकदार भी रहीं। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकीं दिव्या पिछले दिनों 'चिड़िया' में अपने रोल के लिए खूब सराही गईं। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे 'लास्ट मैन इन टावर' की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आज भी मां से बातें करती हूं

दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इंस्पिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रहीं, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूं। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से ड्राइव करती थीं, आज वो अंदर से आती है। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूं या न करूं, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि जिनसे आप जने होते हैं अर्थात जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते है, तब वो कार के सस्पेंशन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।'

औरतें पहले खुद को संवारें

हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अब अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका मी टाइम और उसके ख्वाब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, 'हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जद्दोजहद में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं
मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आएं। वो बोलीं, 'मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहां?' तो ये जो 'अब कहां?' है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, 'अब कहां?' यानी क्या?'

मुखौटे पहनकर ट्रोलिंग की जाती है

सोशल मीडिया को हैंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, 'हर चीज के फायदे-नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिस्पॉन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं, उन्हें इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रोलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सेंट लोग आपको ट्रोल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रोल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।'

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका

'मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ वीर जारा, स्पेशल छब्बीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हम कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जादू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।'

टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहने पर रोहित रॉय ने दी सफाई

रोहित रॉय छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लगभग 30 वर्षों के करियर में कई हिट टीवी शो में काम कर चुके हैं। इनमें 'स्वाभिमान', 'कुसुम', 'भाभी' और कई अन्य शो शामिल हैं, लेकिन एक्टर पिछले कुछ समय से अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, अभिनेता ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए भारतीय टेलीविजन को 'डस्टबिन मीडियम' बता दिया था, जिसके बाद उनके इस बयान की खूब आलोचना हुई। अब रोहित रॉय ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि वह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं थे। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ युवा कलाकारों ने बिना पूरी बात समझे उन पर पर्सनल अटैक किए। अभिनेता ने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से होती है कि कुछ युवा कलाकारों ने पूरा इंटरव्यू देखे बिना, सिर्फ क्लिकबेट हेडलाइन देखकर मेरे खिलाफ प्रतिक्रिया दी और मुझ पर पर्सनल हमले किए। जब मैं 'डस्टबिन मीडियम' कहता हूं, तो मेरा मतलब यह है कि हम कुछ भी बनाते हैं और टीवी पर दिखा देते हैं और सोचते हैं कि लोग इसे देखेंगे।' एक्टर ने आगे कहा, 'जो भी क्रिएटिव है और टेलीविजन को बेहतर बनाना चाहता है, उससे मैं यही कह रहा हूं कि आज हम जिस तरह का कंटेंट बना रहे हैं, वह उस स्तर का नहीं है। मैं आज ओटीटी क्यों देख रहा हूं? क्योंकि वहां मुझे कुछ बेहतरीन चीजें देखने को मिल रही हैं।'
रोहित ने कहा कि लोकतंत्र में लोग उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पहले उनके बयान का संदर्भ समझना चाहिए। अभिनेता ने उन कलाकारों पर भी नाराजगी जताई, जिन्होंने उनके खिलाफ बयान दिए। एक्टर ने कहा, 'मैंने किसी एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर के बारे में बात नहीं की थी। तो उन 3-4 लोगों के बारे में सोचिए, जिन्होंने टीवी पर कमेंट किया। उन्होंने टीवी पर उतनी मेहनत नहीं की है, जितनी मैंने की है। लेकिन इस विवाद को खत्म करने के लिए मैं इतना कहना चाहता हूं कि मैंने हमेशा टेलीविजन के हित के बारे में सोचा है। पिछले 30 वर्षों से मैं टेलीविजन के लिए आवाज उठाता रहा हूं।'

श्रेया सरन ने की 'दृश्यम 3' को-स्टार अजय देवगन की तारीफ

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। बातचीत में श्रेया सरन ने कहा, ''अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।''
श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।'' अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक पाठक ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।'
श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की

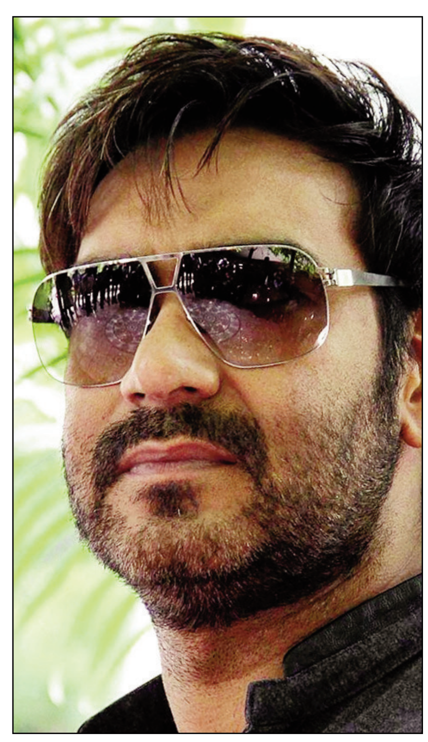

और कहा, ''मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।' 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके।
'दृश्यम : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं।
'दृश्यमः द कन्क्लूजन' इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।

फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' के सफर को शीना चौहान ने बताया शानदार

अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।'
श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंधियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे।
फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है।
फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।
यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

'हुंकारः द रोअर' में जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकारः द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, ''हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इस जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया।

बदकिस्मती से 'डॉन 3' के लिए फरहान से कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है

तमिल अभिनेता अर्जुन दास ने बताया है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने उन्हें 'डॉन 3' के लिए अप्रोच किया था। हालांकि अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कन्फर्म किया कि वह फरहान से मिले थे और प्रोजेक्ट पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत में अर्जुन ने कहा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत था कि मुझे फरहान सर का कॉल आया। हम मिले थे, हमने बातचीत भी की थी, लेकिन बदकिस्मती से अब यह कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है।'

अभिनेता ने जताई उम्मीद

भले ही यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया, लेकिन अर्जुन को उम्मीद है कि वे भविष्य में फरहान के साथ काम करेंगे। फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है और मैं आशा करता हूं कि मुझे जल्द ही फरहान सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि वह अब तक मिले सबसे अच्छे और विनम्र लोगों में से एक हैं। तो हां, मैं इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। यह कोलैबोरेशन होने वाला था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।' इसी बातचीत के दौरान अर्जुन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक हिंदी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

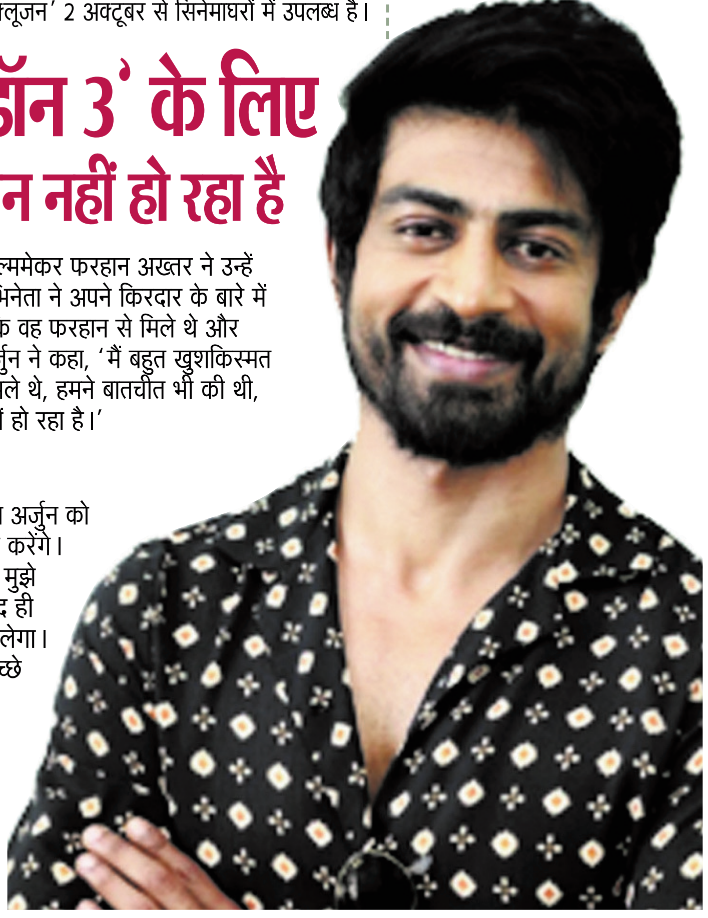

ठंड के व्यंजन

कंपकंपाती सर्दियों के साथ आता है, स्वाद का दौर। यह मौसम है ही ऐसा। ठंड में चटखारे लेने के लिए कई विकल्प मौजूद होते हैं। इन्हीं में से कुछ स्वादिष्ट विकल्प आपके लिए लेकर आए हैं हम, जिनमें शामिल हैं सूप, स्टार्टर, मुख्य भोजन का अंश और मीठा...

गाजर-मटर सूप

सामग्री

2बड़े गाजर, 1/2कप मटर, 1 प्याज़, 4-5 लहसुन की कलियां, 2 चम्मच दूध, 1 चम्मच किसा हुआ पनीर, 2 छोटे चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक और काली मिर्च।

विधि

गाजर, मटर, प्याज़, लहसुन को आवश्यकतानुसार पानी के साथ कुकर में दो सीटी देकर पका लें। इसे कुछ देर ठंडा होने दें। उबली हुई सब्ज़ियों में पानी और दूध डालकर प्यूरी बना लें। इस प्यूरी को धीमी आंच पर पकने रख दें। परोसने से पहले इसमें नमक और काली मिर्च मिला लें। चाहें तो ऊपर से किसा हुआ पनीर डालकर सजा भी सकते हैं।

पालक बादाम टिक्की

सामग्री

1 कटोरी बारीक़ कटी पालक, 2चम्मच बादाम का चूरा, 2 चम्मच किसा हुआ पनीर, 2 उबले मसले आलू, 1/2 कटोरी ब्रेड का चूरा, 1/2 चम्मच चाट मसाला, 1/2 चम्मच ग्रीन चिली सॉस, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि

तेल के अलावा सभी चीज़ों को एक बड़े बोल में मिलाएं। इस मिश्रण से एक ही आकर की टिक्कियां बना लें। हर टिक्की के ऊपर बादाम लगा लें। अगर टिक्कियां फैल रही हों, तो थोड़े-से कॉर्नफ्लोर का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तेल में टिक्कियों को सुनहरा होने तक तल लें। चिली सॉस के साथ परोसें।

मेथी थेपला

सामग्री

2 कटोरी गेहूं का आटा, 1/2 कटोरी बाजरे का आटा, 1/2 कटोरी बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी,1/2 चम्मच लाल मिर्च, 1/2चम्मच जीरा पाउडर, 2 बारीक़ कटी हरी मिर्च, 7-8 लहसुन की कलियों का पेस्ट, 2 कटोरी बारीक़ कटी मेथी।

विधि

बेसन, बाजरे और गेहूं के आटे को एक साथ मिलाएं। फिर इसमें नमक, हल्दी, लाल मिर्च, जीरा पाउडर, हरी मिर्च, लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें मेथी मिला लें। 2-3 चम्मच तेल डालकर पानी की मदद से आटा गूंध लें। अब छोटी-छोटी लोई बनाकर बेलें। ध्यान रहे, ये रोटियां एकदम पतली होनी चाहिए। अब इन्हें पराठे की तरह सेंकें। तैयार थेपलों को हरी चटनी या दही के साथ सर्व करें।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है। एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है। त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय: छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है। निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है। बड़ों की लापरवाही - अ सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफे शन का खतरा बढ़ता है। किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है। नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है। कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें। नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ़्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें। गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें। मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें। संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे। ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें। बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

खूबसूरती के लिए..

आज जहां बाज़ार में प्रतिदिन नए सौंदर्य प्रसाधन और नई तकनीक आ रही है, वहीं त्वचा से सम्बन्धी समस्याओं की सूची भी कुछ कम नहीं हैं। हम सभी चाहते हैं बेदाग और खिली-खिली त्वचा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा ऐसी ही दिखे तो इसके लिए आपको अपनी त्वचा का ख्याल रखना होगा। त्वचा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का इलाज जितनी जल्दी हो करा लें, फिर चाहे आंखों के नीचे काले घेरे हों या स्ट्रैच मार्क।

उम्र के साथ झुर्रियों का पड़ना भी आम है, लेकिन अगर समय से पहले आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ रही हैं या आपका सौंदर्य प्रभावित हो रहा है तो इसे अस्वीकार करें और इसका समाधान निकालें। स्ट्रैच मार्क, आंखों के नीचे काले घेरे या एक्ने जैसी समस्या से हालांकि किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती ना ही यह खतरनाक होते हैं। लेकिन इनसे साइकालाजिकल समस्याएं भी हो सकती हैं क्योंकि इनसे होने वाले तनाव भी कुछ कम नहीं होते। आज ऐसी समस्याओं को स्वीकार कर लेना कोई समाधान नहीं बल्कि चिकित्सा के तरीके अपनाना अच्छा है। कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नयी तकनीक से ऐसी समस्याओं का इलाज बहुत आसानी से सम्भव हो पाया है। अपनी त्वचा का ख्याल रख आप स्वस्थ त्वचा तो पा ही सकते हैं, साथ ही आकर्षण का पात्र भी बन सकते हैं।

दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल के कास्मेटिक सर्जन के अनुसार कार्बोक्सीथेरेपी स्ट्रैच मार्क, सेल्युलाइट और आंखों के नीचे काले घेरों से बचने का सरल और सस्ता उपाय है। इस चिकित्सा के दौरान त्वचा में कार्बनडाइआक्साइड का इंजेक्शन लगाया जाता है, जिससे नई रक्त कोशिकायें बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अगर इसे सेप्टिक तरीके से किया जाये तो इससे किसी भी प्रकार के अतिरिक्त प्रभाव नहीं होते। इस चिकित्सा में आने वाले एक सिटिंग का खर्च सिर्फ 3000 से 4000 रूपये तक का है। स्ट्रैच मार्क अकसर गर्भावस्था के बाद या किशोरावस्था के दौरान होते हैं और ऐसा त्वचा के खिंचाव के कारण होता है। कार्बोक्सीथेरेपी का प्रयोग सेल्युलाइट्स से बचाव के लिए भी किया जाता है। जहां पहले स्ट्रैच मार्कस हटाने के लिए लेज़र तकनीक का प्रयोग होता था, वहीं आज कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नान सर्जिकल प्रक्रिया का प्रयोग हो रहा है जो कि बहुत सुरक्षित है। गृहणी रेशमा अपने 2 हफ्ते के बच्चे के साथ बहुत खुश हैं, लेकिन जब वो अपने शरीर पर पड़े स्ट्रैच मार्कस देखती हैं, तो वो दुखी हो जाती हैं। पाश्चात्य कपड़े पहनना उनका शौक है, लेकिन अब इन स्ट्रैच मार्कस को छिपाने के लिए उन्होंने पाश्चात्य कपड़े पहनना भी छोड़ दिया है। पिछले कई दिनों से वो अपने मित्रों से और इंटरनेट पर इस समस्या का समाधान ढूढने में लगी हैं, लेकिन वो अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। हालांकि स्ट्रैच मार्क से उन्हें कोई समस्या नहीं, लेकिन उन्हें लगने लगा है कि उनका सौंदर्य खो रहा है। नई दिल्ली के न्यू लुक कास्मेटिक लेज़र क्लीनिक में कार्यरत वरिष्ठ कास्मेटिक सर्जन डा प्रीतम पंकज के अनुसार भारत में अधिकतर लोग सेल्युलाइट रिडक्शन और स्ट्रैच मार्क के इलाज के लिए कार्बोक्सीथेरेपी को पसंद कर रहे हैं। यह चिकित्सा बहुत ही सुरक्षित है और कम समय लेने वाली है इसलिए आफिस जाने वाले लोग भी आसानी से इसका लाभ उठा सकते है। इस चिकित्सा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी प्रकार का दर्द नहीं होता। सावधानी के तौर पर आपको सिटिंग के 4-5 घंटों बाद तक नहाना नहीं चाहिए और ना ही स्वीमिंग पूल में उतरना चाहिए। निशान, एक्ने और स्ट्रैच मार्क से बचने का यह एक आसान और कारगर उपाय है।

आपको भी परेशान करते हैं चेहरे के मुँहासे

जब लड़कियां युवावस्था में कदम रखती हैं तो जैसे-जैसे उनके अंगों का विकास होता जाता है वैसे-वैसे उन्हें कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। इन परेशानियों में कुछ अंदरूनी होती हैं तो कुछ बाहरी। अंदरूनी परेशानी तो लड़कियां किसी प्रकार सहन कर जाती हैं लेकिन बाहरी परेशानियों को लेकर उनमें संकोच का भाव उत्पन्न होता है। बाहरी परेशानियों में सबसे प्रमुख है मुंहासों की समस्या।

लड़कियां मुंहासों को लेकर काफी चिंतामग्न रहती हैं और सखी-सहेलियों के बीच जाने में शर्म महसूस करती हैं और इनको मिटाने के लिए नित नए-नए समाधान तलाशती रहती हैं जिससे कई बार परेशानी बढ़ जाती है। मुंहासे त्वचा के साफ न रहने के कारण या फिर उसके अधिक तैलीय होने के कारण होते हैं। बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रसाधनों को अपनाने की बजाय यदि लड़कियां निम्न बातों का ख्याल रखें तो उन्हें मुंहासों की समस्या से निजात मिल सकती है-

- पेट साफ रखें। कब्ज न हो इसके लिए हर रोज सुबह एक गिलास नींबू पानी जरूर लें।
- तली-भुनी व मिर्च मसालेदार चीजों के सेवन से बचें।
- मेकअप प्रसाधनों का प्रयोग कम से कम करें।
- खूब पानी पीएं।
- सप्ताह में दो बार चेहरे पर फेसपैक व एक बार फेसस्क्रब लगाएं। इससे त्वचा साफ व स्वस्थ रहेगी।
- जब तक मुंहासे हों, त्वचा पर मेडिकेटिड साबुन का प्रयोग करें।
- खीरे या टमाटर के टुकड़े मलने से भी मुंहासे कम हो जाते हैं।
- त्वचा को धूल-मिट्टी से बचाएं।
- मुंहासों को कभी फोड़े नहीं। इससे मुंहासे फैल जाएंगे।
- चेहरे को हरदम साफ व स्वच्छ रखें। चेहरे पर चिकनाहट न आने दें।
- मुंहासों वाली त्वचा पर फेशल, ब्लीचिंग व भाप आदि न लें।
- मुंहासों वाली त्वचा को साफ व स्वच्छ तौलिए से ही साफ करें।

मुंहासों की समस्या से निजात पाने के साथ ही यदि पूरे शरीर का भी ख्याल रखा जाए तो आपको युवावस्था के दौरान होने वाली कई परेशानियों से एक साथ छुटकारा मिल सकता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप निम्न उपाय अपना सकती हैं-

- नियमित रूप से सुबह ताजी हवा में तेज-तेज चलें। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होगा।
- शाम को भी आधा घंटा पैदल सैर जरूर करें।
- साइकिलिंग, तैराकी व रस्सी कूदना आदि भी यदि संभव हो तो जरूर करें।
- कुछ हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करें। इससे शरीर में स्फूर्ति व लचीलापन आएगा।
- खानपान में फास्टफूड कम से कम लें।
- पौष्टिक व संतुलित आहार लें।
- भोजन में ताजे फलों का रस, सलाद, हरी पत्तेदार सब्जियों का सूप, दूध व दूध से बनी चीजों का सेवन अधिक करें।
- चाय व कॉफी निश्चित मात्रा में लें।
- धूम्रपान व अलकोहल के सेवन से बचें।
- तनावमुक्त रहें।
- कम से कम आठ-नौ घंटे की नींद जरूर लें।